■ वैशाख शुक्ल - 14 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 292 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 22-05-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तक्षिन् पारत् राष्ट्रमत् | तिनचरि हिन्ति नाळितऴ् | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 पेशेवर खेल में आपको कोई उम्र संबंधी छूट नहीं मिलती : धोनी

6 बेहद जरूरी है संकटग्रस्त जैव प्रजातियों का संरक्षण

7 भगवान जगन्नाथ पर टिप्पणी को लेकर उपवास करेंगे भाजपा नेता संबित पात्रा

फर्स्ट टेक

3.22 करोड़ का घोटाला करने वाला अमेज़न कर्मचारी गिरफ्तार

हैदराबाद/एजेन्सी। हैदराबाद में आर्थिक अपराध शाखा पुलिस थाने में भारतीय पेरोल के एक अमेज़न कर्मचारी के खिलाफ आपराधिक शिकायत दर्ज की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कर्मचारी ने लगभग तीन करोड़ बाईस लाख चार हजार चार रुपए से अधिक का घोटाला किया है। इस गबन को 50 बैंक खातों में धन ट्रांसफर करके अंजाम दिया गया, जो कि सहयोगियों के थे, जिससे 184 पूर्व-कर्मचारी/निष्क्रिय कर्मचारी अपने उचित बकाया से वंचित हो गये। इसको लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। प्रारंभिक जांच के बाद, आर्थिक अपराध शाखा पुलिस थाना ने कल हैदराबाद के बाहरी इलाके से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

सिंगापुर में विमान में गंभीर झटकों से एक व्यक्ति की मौत, 30 घायल

सिंगापुर/एजेन्सी। सिंगापुर एयरलाइंस की लंदन से सिंगापुर जा रही उड़ान एसक्यू321 में गंभीर झटकों के कारण कम से कम एक यात्री की मौत हो गई और 30 घायल हो गए, जिसके चलते विमान को मंगलवार को थाईलैंड के बैंकॉक के सुवर्णभूमि हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी है। सिंगापुर एयरलाइंस ने एक बयान में कहा कि बोइंग 777-300ईआर विमान को रास्ते में गंभीर झटकों का सामना करना पड़ा और उसे बैंकॉक की ओर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा, जहां यह स्थानीय समयानुसार 3:45 बजे सुरक्षित रूप से उतर गया। एयरलाइन के एक सोशल मीडिया पोस्ट के अनुसार उड़ान में कुल 211 यात्री और चालक दल के 18 सदस्य सवार थे।

बांग्लादेश के सत्तारूढ़ दल आवामी लीग के सांसद कोलकाता में लापता

कोलकाता/भाषा। इलाज के लिए 12 मई को कोलकाता पहुंचे बांग्लादेश के सांसद अनवारूल अजीम अनार पिछले कुछ दिनों से लापता हैं। यहां बांग्लादेश उच्चायोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बांग्लादेश की सत्तारूढ़ पार्टी आवामी लीग के सांसद अनार 13 मई से लापता हैं। अधिकारी ने कहा, वह इलाज के लिए 12 मई को कोलकाता आए थे और शहर के उत्तरी हिस्से में बरानगर में अपने एक दोस्त के घर पर ठहरे हुए थे। वह 13 मई को किसी से मिलने गए थे लेकिन वापस नहीं आए। उनके मित्र ने बाद में पुलिस में शिकायत दर्ज करायी।

22-05-2024 सूर्यास्त 6:29 बजे | 23-05-2024 सूर्योदय 5:41 बजे

BSE	NSE
73,953.31	22,529.05
(-52.62)	(+27.05)

सोना	चांदी
7,505 रु.	90,700 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

नारी शक्ति को बनायेंगे महाशक्ति : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ इंडी गठबंधन की मानसिकता ही महिला विरोधी है। यह लोग महिला आरक्षण का विरोध करते हैं। जहां इनकी सरकार आती है, महिलाओं का जीना दूभर हो जाता है।

वाराणसी/एजेन्सी। इंडिया समूह पर नारी शक्ति की उपेक्षा और अपमान का आरोप लगाते हुये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि चार जून के बाद मोदी सरकार नारी शक्ति को महाशक्ति बनाकर रहेगी।

संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में नारीशक्ति संवाद को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा दस साल में पहली बार सरकार की नीतियों से लेकर निर्णय तक हमारी माताएं, बहनें, महिलाएं केंद्र मे आई हैं। यह भारत की सक्सेज स्टोरी का बहुत बड़ा फैक्टर है। जब घर आपके बिना नहीं चलता तो देश आपके बिना कैसे चल जाता। 60 वर्ष तक सरकारों को यह बात समझ ही नहीं आई। स्थानीय सांसद ने कहा कि काशी में राजपाट बाबा विश्वनाथ का है, लेकिन व्यवस्था मां अन्नपूर्णा ही चलाती हैं। भोजपुरी भाषा में उन्होने कहा इ पहली बार ह, जब हम काशी क नामांकन अपने माई के उपस्थिति के बिना कइले हईं। मां गंगा ही अब हमार माई हइन। मैंने इसलिए कहा था कि मां गंगा ने पहले मुझे काशी बुलाया था। अब मां गंगा ने मुझे गोद ले लिया है। इतनी सारी मातृशक्ति की मौजूदगी मुझे अभिभूत कर रही है। मैं पार्टी के प्रचार में कितना भी व्यस्त होता हूं, लेकिन बनारस को लेकर हमेशा निश्चिंत रहता हूं। मुझे कोई चिंता ही नहीं रहती, क्योंकि सब कुछ आप लोग भी संभालते हैं। इस गर्मी में अपने स्वास्थ्य का ध्यान जरूर रखिए। मेरा सुझाव है कि कितना भी काम कीजिए, लेकिन पानी साथ रखिए और खूब पीजिए। बिना खाए घर से कतई न निकलिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सपा व कांग्रेस सरकारों ने महिलाओं की केवल उपेक्षा व असुरक्षा की। इंडी गठबंधन की मानसिकता ही महिला विरोधी है। यह लोग महिला आरक्षण का विरोध करते हैं। जहां इनकी सरकार आती है, महिलाओं का जीना दूभर हो जाता है। बनारस के लोग यूपी, बिहार में रहे जंगलराज से परिचित हैं। बहन-बेटियों का घर से निकलना मुश्किल था। सुरक्षा के डर से पढ़ाई छोड़कर बेटियों को घर बैठना पड़ता था और सपा वाले बेशर्मी से कहते थे कि लड़के हैं, इनसे गलती हो जाती है। सपा के लड़के जरा आज गलती करके दिखाएं। योगी जी की सरकार वो हाल करेगी, जो उन्होंने सोचा भी नहीं होगा।

मोदी ने कहा कि पहली बार केंद्र में ऐसी सरकार आई है, जिसने महिलाओं के सम्मान की चिंता की है। उन्हें इज्जत घर दिए। लोग मजाक उड़ाते थे कि मोदी टॉयलट करता रहता है। हमने 11 करोड़ टॉयलट बनाए हैं। मेरी बहन-बेटियों को इसकी बहुत जरूरत थी। मोदी ने गरीब महिलाओं के लिए बिना एक रुपये खर्च किए खाते खुलवाए, ताकि उन्हें मिलने वाला पैसा सुरक्षित रह सके। चार करोड़ से अधिक घर बनाए, लेकिन उसकी रजिस्ट्री महिलाओं के नाम पर कराई, ताकि करोड़ों माताएं घर की मालकिन बनी हैं। यह सिर्फ योजना ही नहीं थी, इससे नारी शक्ति को नया आत्मविश्वास मिला। यही मेरा मिशन और सोच थी। उन्होने ने तंज कसा कि कांग्रेस की सरकारों की पहचान एक गाने से खूब होती है.... महंगाई डायन खाय जात है। कांग्रेस आई, महंगाई लाई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को यहां संकट मोचन मंदिर जाकर भगवान हनुमान की पूजा-अर्चना की। प्रधानमंत्री 'नारी शक्ति संवाद' कार्यक्रम संपन्न होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ संकट मोचन मंदिर गए और पूजा-अर्चना की। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर की गई एक पोस्ट में कहा, (मुझे) वाराणसी में आज संकट मोचन हनुमान मंदिर में दर्शन और पूजन का सौभाग्य मिला। (मैंने) यहां काशी सहित देशभर के अपने परिवारजनों की सुख-समृद्धि और आरोग्य की कामना की। प्रधानमंत्री के आगमन पर मंदिर परिसर 'जय श्री राम' और 'हर हर महादेव' के एक साथ नारों से गूंज उठा। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने हाथ जोड़कर श्रद्धालुओं का अभिवादन किया।

उच्च न्यायालय ने सिसोदिया की जमानत की अर्जी फिर की खारिज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार और धन शोधन के मामलों में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की सरकार के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया की जमानत की अर्जी मंगलवार को नामंजूर कर दी।

न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने मनी लॉन्ड्रिंग और भ्रष्टाचार के मामलों में सिसोदिया की ओर से दायर दूसरी जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा कि सिसोदिया भ्रष्टाचार के आरोप में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दायर मामले में जमानत की तिहरी कसौटी पूरी नहीं कर सके हैं।

अदालत ने कहा कि आरोपी ने स्वीकार किया गया है कि वह अपने द्वारा इस्तेमाल किए गए दो फोन जांच एजेंसी को पेश नहीं कर सके हैं और आरोपी ने यह दावा भी किया है कि वे फोन क्षतिग्रस्त हो गए थे।

अदालत ने कहा कि इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है कि सिसोदिया जमानत पर बाहर जा कर सबूतों के साथ छेड़छाड़ कर सकते हैं।

अदालत ने यह टिप्पणी भी की है कि सिसोदिया प्रभावशाली व्यक्ति हैं। उनके पास 18 मंत्रालयों की जिम्मेदारी रही है।

अदलत ने उनके ऊपर लगे आरोपों के संबंध में कहा कि यह सिसोदिया द्वारा सत्ता के गंभीर दुरुपयोग और विश्वास के उल्लंघन का मामला दिखता है। इसकी जांच में एकत्र की गई सामग्री से पता चलता है कि सिसोदिया ने अपने उद्येश्य के अनुरूप सार्वजनिक राय तैयार करा करके आबकारी नीति बनाने की प्रक्रिया को विकृत किया।

डीपीआईआईटी के पूर्व सचिव के ठिकानों पर ईडी ने छापे मारे

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी और डीपीआईआईटी के पूर्व सचिव रमेश अभिषेक के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले से जुड़ी धनशोधन जांच के तहत मंगलवार को उनके ठिकानों पर छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। ईडी का मामला उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के पूर्व सचिव अभिषेक के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा हाल में दर्ज एक प्राथमिकी पर आधारित है। 1982 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी के खिलाफ सीबीआई ने फरवरी में छापेमारी की थी।

देश को 'लूटने' के लिए सत्ता में लौटना चाहती है कांग्रेस : अनुराग ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हमीरपुर (हिप्र)/भाषा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस देश को बस 'लूटने' के लिए सत्ता में लौटना चाहती है लेकिन लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्षी दल इस लोकसभा चुनव में 50 से अधिक सीट नहीं जीत पायेगा। हमीरपुर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी ठाकुर ने इस निर्वाचन क्षेत्र में कई चुनावी सभाओं को संबोधित किया।

ठाकुर ने मतदाताओं से एक जून को कमल (भाजपा का चिह्न) का बटन दबाने की अपील करते हुए कहा कि हथकंडों के जरिए भ्रम फैलाने की कांग्रेस की रणनीति काम नहीं करेगी और वह भारतीय राजनीति से हमेशा के लिए बाहर हो जायेगी। उन्होंने कहा, '' लोग जानते हैं कि आजादी के बाद से उन्हें किसने लूटा है और यही कारण है कि वे कांग्रेस और उसके सहयोगियों को वोट नहीं देने जा रहे हैं... मतदाता अपने कल्याण और लाभ के लिए भाजपा के पीछे एकजुट होंगे।'' उन्होंने कहा कि लोगों ने भाजपा को वोट देने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए तीसरा कार्यकाल सुनिश्चित करने का मन बना लिया है।

उत्तर-पश्चिम भारत में अगले पांच दिनों तक भीषण गर्मी, लू के थपेड़े चलने के अनुमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ 21 से 25 मई तक पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में शरीर झुलसाने वाली गर्मी और लू के थपेड़े चलने का अनुमान है।

नई दिल्ली/एजेन्सी। उत्तर-पश्चिम भारत, उत्तरी मध्य प्रदेश और गुजरात के मैदानी इलाकों में अगले पांच दिनों तक चिलचिलाती गर्मी और लू के थपेड़े जैसी स्थिति जारी रहने का अनुमान जताया गया है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को यह जानकारी दी। विभाग ने कहा, 21 से 25 मई तक पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में शरीर झुलसाने वाली गर्मी और लू के थपेड़े चलने का अनुमान है।

इसके अलावा 25 मई तक जम्मू संभाग, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, पूर्वोत्तर मध्य प्रदेश, विदर्भ और उत्तरी मध्य महाराष्ट्र में लू चलने जैसी स्थिति बने रहेगी। मध्य भारत के कई हिस्सों में अगले पांच दिनों अधिकतम तापमान लगभग दो-तीन डिग्री सेल्सियस बढ़ने का अनुमान जताया गया है।

विभाग ने बताया कि दक्षिण पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर कल तक हवा का निम्न स्तर का दवाब बने रहने का अनुमान है, 25 मई को पश्चिम बंगाल के उत्तर-दक्षिण 24 परगना, पूर्वी मेदिनीपुर जिलों तथा ओडिशा के बालासोर जिले में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। मौसम अधिकारियों ने मछुआरों को 23 मई से मध्य और उससे सटे दक्षिण बंगाल की खाड़ी के आसपास के इलाकों तथा 24 मई से उत्तरी बंगाल की खाड़ी में न जाने की सलाह दी है।

दक्षिण-पूर्व अरब सागर के कुछ हिस्सों, मालदीव के कुछ और हिस्सों, कोमोरिन क्षेत्र, बंगाल की खाड़ी के दक्षिण, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, अंडमान सागर के कुछ हिस्सों में अगले दो दिनों के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई है।

सनराइजर्स को हरा कर केकेआर ने कटाया आईपीएल फाइनल का टिकट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंडियन प्रीमियर लीग 2024

अहमदाबाद/भाषा। मिचेल स्टार्क (34 रन पर तीन विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर (24 गेंद में नाबाद 58) और वेंकटेश अय्यर (28 गेंद में नाबाद 51) की आक्रामक पारियों से कोलकाता नाइट राइडर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पहले क्वालीफायर मुकाबले में मंगलवार को सनराइजर्स हैदराबाद को 38 गेंद शेष रहते आठ विकेट से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। सनराइजर्स की पारी को 159 रन पर समेटने के बाद केकेआर ने महज 13.4 ओवर में दो विकेट पर 164 रन बना कर चौथी बार इस लीग में फाइनल का टिकट कटाया। सनराइजर्स को 26 मई को खेले जाने वाले फाइनल में जगह बनाने के लिए राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच बुधवार को खेले जाने वाले एलिमिनेटर के विजेता से शुक्रवार (24 मई) भिड़ना होगा।

श्रेयस और वेंकटेश दोनों ने अपनी नाबाद पारियों में एक समान पांच चौके और चार छक्के जड़े। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए महज 44 गेंद में 97 रन की अटूट साझेदारी कर टीम की एकतरफा जीत पक्की की।

आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी स्टार्क को शुरुआती ओवरों में वैभव अरोड़ा (17 रन पर एक विकेट) का अच्छा साथ मिला और दोनों ने पहले दो ओवरों में शानदार लय में चल रहे सनराइजर्स के सलामी बल्लेबाजों ट्रेविस हेड (शून्य) और अभिषेक शर्मा (तीन) को पवेलियन की राह दिखा दी।

वरुण चक्रवर्ती (26 रन पर दो विकेट) और सुनील नारायण (40 रन पर एक विकेट) की फिरकी ने मध्यक्रम में सनराइजर्स के बल्लेबाजों को ज्यादा देर तक पैर जमाने का मौका नहीं दिया। हर्षित राणा (27 रन पर एक विकेट) और आंद्रे रसेल (15 रन पर एक विकेट) को भी एक-एक सफलता मिली।

यौन उत्पीड़न मामले में बृज भूषण के खिलाफ अदालत ने आरोप तय किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ महिला पहलवानों द्वारा दायर एक आपराधिक मामले में यौन उत्पीड़न, धमकी और महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने के आरोप तय किए।

बृज भूषण ने अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) प्रियंका राजपूत के समक्ष खुद को निर्दोष बताया और सुनवाई की मांग की। बृज भूषण ने कहा, जब मैं दोषी नहीं हूं तो मैं दोष स्वीकार क्यों करूंगा?'' अदालत ने मामले में सह आरोपी और डब्ल्यूएफआई के पूर्व सहायक सचिव विनोद तोमर के खिलाफ भी आपराधिक धमकी का आरोप तय किया।

उत्तर प्रदेश के कैसरगंज से भारतीय जनता पार्टी के मौजूदा सांसद बृज भूषण को उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए टिकट नहीं दिया गया था। पार्टी ने इस सीट से उनके बेटे करण भूषण सिंह को मैदान में उतारा है।

इजराइली सैनिकों ने वेस्ट बैंक में किया हमला

जेनिन (वेस्ट बैंक)/एपी। इजराइली सैनिकों ने मंगलवार को वेस्ट बैंक के एक आतंकी ठिकाने पर धावा बोला, जिसमें एक चिकित्सक सहित कम से कम सात फलस्तीनी मारे गए। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गाजा पट्टी में सात महीने पहले युद्ध छिड़ने के बाद से क्षेत्र में किए गए सबसे घातक हमलों में से यह एक है। इजराइली सेना ने कहा कि उत्तरी वेस्ट बैंक के शहर जेनिन में एक अभियान के तहत आतंकवादियों को निशाना बनाया गया।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जाति न पूछो...

प्रत्याशी का चयन करे दल,
जाति वर्ग का ले आधार।
जब पूछे यदि जाति कोई तो,
देते सब उसको धिक्कार।
धर्म जाति से करे सियासत,
पर करते उससे इन्कार।
नेताओं की लोकतंत्र में,
लीलाएं हैं अपरम्पार।।

मालीवाल मामले पर बोले दिल्ली के उपराज्यपाल

केजरीवाल की चुप्पी महिला सुरक्षा पर उनके रुख को बताती है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के सक्सेना ने मंगलवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सदस्य के साथ कथित मारपीट पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गहरी चुप्पी महिलाओं की सुरक्षा पर उनके रुख के बारे में बहुत कुछ बोलती है और कहा कि मुख्यमंत्री को इस घटना पर टाल-मटोल और पैंतरेबाजी नहीं करनी चाहिए। 'आप' ने पलटवार करते हुए कहा कि उपराज्यपाल का पत्र साबित करता है कि मालीवाल भाजपा के इशारे पर काम कर रही हैं।

राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने 13 मई को दिल्ली के मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर उनके साथ मारपीट किए जाने का आरोप लगाया था जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने शनिवार को केजरीवाल के सहयोगी विभव कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

राज निवास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक बयान जारी किया है, जिसमें सक्सेना ने कहा कि दिल्ली पुलिस मामले की जांच कर रही है और इसे ''तार्किक निष्कर्ष'' पर पहुंचाया जाएगा। उन्होंने इस मामले पर आम आदमी पार्टी द्वारा उसके रुख को बदल लिए जाने को भी 'चौकाने वाला' बताया। उपराज्यपाल ने कहा, आम आदमी पार्टी की सांसद सुश्री स्वाति मालीवाल के साथ मुख्यमंत्री के आवास पर कथित मारपीट के मुद्दे पर पिछले कुछ दिनों से मीडिया में चल रही खबरों से मैं बहुत व्यथित हूं। सक्सेना ने कहा, कल, उन्होंने बेहद पीड़ा से मुझे फोन किया और अपने दर्दनाक अनुभव और उसके बाद अपने ही सहयोगियों द्वारा उन्हें धमकाने और शर्मसार करने के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने सबूतों से कथित छेड़छाड़ और उनपर दबाव डालने पर भी चिंता व्यक्त की।

केजरीवाल पर सेक्सना ने कहा, कम से कम शिष्टता के खातिर ही मेरे मुख्यमंत्री टाल-मटोल और पैंतरेबाजी करने के बजाय सफाई देते। उनकी गहरी चुप्पी महिलाओं की सुरक्षा पर उनके रुख के बारे में बहुत कुछ बताती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी है और पूरी दुनिया के राजनयिक यहां रहते हैं तथा ऐसी शर्मनाक घटनाएं और महिला सुरक्षा के मुद्दे पर सरकार की असंवेदनहीन, षडयंत्रकारी तिरस्कारपूर्ण प्रतिक्रिया पूरी दुनिया में भारत की छवि को धूमिल करती है। उपराज्यपाल ने बयान में कहा, अगर ऐसी घटना देश के किसी अन्य मुख्यमंत्री के आवास में हुई होती, तो भारत के प्रति शत्रुतापूर्ण निहित स्वार्थ वाली बाहरी ताकतों ने भारत में महिला सुरक्षा को लेकर जबर्दस्त वैश्विक विमर्श छेड़ दिया होता। इस मामले में इस तरह का कोई आक्रोश न होना कई सवाल खड़े करता है जिनके जवाब नहीं है।

सक्सेना ने मालीवाल का समर्थन करते हुए कहा, वह मेरे और मेरे कार्यालय के प्रति मुखर, शत्रुतापूर्ण और स्पष्ट रूप से पक्षपातपूर्ण रही हैं और अक्सर अनुचित रूप से मेरी आलोचना करती रही हैं।

सक्सेना ने कहा कि यह सबसे ज्यादा परेशान करने वाली बात है कि कथित अपराध स्थल मुख्यमंत्री का ड्राइंग रूम है जबकि वह कथित तौर पर घर में मौजूद थे, और यह उनके निकटतम सहयोगी द्वारा एक अकेली महिला के साथ किया गया। उन्होंने कहा कि पार्टी के अन्य राज्यसभा सदस्य (संजय सिंह) ने मीडिया के सामने मालीवाल के आरोपों की पुष्टि की और आश्वासन दिया कि मुख्यमंत्री अपराधी के खिलाफ कार्रवाई करेंगे।

संप्रग-1, संप्रग-2 ने एक ही प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के तहत दो कार्यकाल पूरे किए : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ''पांच साल में पांच पीएम'' टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि 2004 में भी इसी तरह की बात कही गई थी लेकिन संप्रग सरकार ने एक ही प्रधानमंत्री, मनमोहन सिंह के तहत दो कार्यकाल पूरे किए।

उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ में 16 मई को एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा था कि 'इंडिया' गठबंधन पांच वर्षों में पांच प्रधानमंत्री बनाना चाहता है और दावा किया कि चार जून के बाद यह टूटकर बिखर जाएगा। खरगे ने यहां संवाददाताओं से कहा, संप्रग-1 और संप्रग-2 में, हमें अन्य दलों ने समर्थन दिया था और हमने कार्यकाल पूरा किया था। कांग्रेस अध्यक्ष ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के बारे में कहा कि 10 साल तक एक प्रधानमंत्री थे, जो पंजाब से थे और उन्होंने देश चलाया तथा इसकी अर्थव्यवस्था बदल दी। भाजपा पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा, जबकि उन्होंने 10 साल में कुछ नहीं किया।

हरियाणा के जगाधरी में एक चुनावी रैली को संबोधित करने के बाद, खरगे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के साथ यहां पहुंचे थे।

यह पूछे जाने पर कि सत्तारूढ़ दल के नेता अक्सर कहते हैं कि चुनाव के बाद विपक्ष की ओर से प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार कौन होगा, खरगे ने कहा कि (यदि विपक्ष चुनाव जीतता है तो) 'इंडिया' गठबंधन के साझेदार बैठेंगे और इस पर निर्णय लेंगे। खरगे ने कहा कि भाजपा कह रही है कि कांग्रेस या 'इंडिया' गठबंधन के पास मोदी जैसा नेता नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि वे 2004 में ही यही कहा करते थे जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे। उन्होंने कहा, चुनाव के बाद, गठबंधन साझेदार बैठेंगे और निर्णय लेंगे। जिस तरह से हमने संप्रग (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन) सरकार चलायी थी, उसी तरह हम इसे भी चलाएंगे। खरगे ने एक सवाल के जवाब में दावा किया कि 'इंडिया' गठबंधन को मौजूदा लोकसभा चुनाव में बढ़त मिल रही है।

प्रस्तावित एकीकृत कमान से सशस्त्र बलों की सैन्य तैयारियों में तेजी आएगी : सीडीएस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को कहा कि प्रस्तावित एकीकृत कमान से सशस्त्र बलों की सैन्य तैयारियों में तेजी आएगी। एकीकृत कमान स्थापित करने की महात्वाकांक्षी और बहु प्रतीक्षित योजना लागू करने पर भारत के विचार करने के बीच उनकी यह टिप्पणी आई है।

सीडीएस ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सेना के तीनों अंगों (थलसेना, वायुसेना और नौसेना) से एक संयुक्त कार्यशैली विकसित करने की भी अपील की, क्योंकि वे ''संयुक्त अभियानगत संरचना'' बनाने की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि एकीकृत कमान से सुधारों के अगले दौर की शुरुआत होगी। उन्होंने कहा कि एकीकृत कमान से एकल से बहु-क्षेत्रीय अभियान, पारंपरिक क्षेत्र में अंतरिक्ष एवं साइबर जगत का इस्तेमाल, युद्ध क्षेत्र की सूचना का डिजिटाइजेशन जैसे कई सुधारों का मार्ग प्रशस्त होगा। सीडीएस ने मेजर जनरल समीर सिन्हा स्मृति व्याख्यान देते हुए कहा कि सशस्त्र बलों में संयुक्त कार्यशैली का विकास दूसरे चरण का एकीकरण होगा। उन्होंने कहा कि ''पहले चरण का एकीकरण सशस्त्र बलों के बीच बेहतर तालमेल और आम सहमति के बारे में था।

जनरल चौहान ने तीनों सशस्त्र बलों की अलग-अलग कार्यशैली होने की बात स्वीकार करते हुए उल्लेख किया कि सेना के तीनों अंगों के बीच एक चौथी कार्यशैली विकसित करने की जरूरत है। सीडीएस ने कहा, हमें तीनों सशस्त्र बलों से सर्वश्रेष्ठ चीजों को लेना चाहिए। एकीकरण मॉडल के तहत सरकार थलसेना, वायुसेना और नौसेना की क्षमताओं को समन्वित करना तथा युद्ध एवं अभियानों के लिए उनके संसाधनों का अधिकतम उपयोग करना चाहती है। एकीकरण योजना के अनुसार, प्रत्येक एकीकृत कमान में थलसेना, वायुसेना और नौसेना की इकाइयां होंगी तथा वे सभी एक इकाई के रूप में काम करेंगी। वर्तमान में थलसेना, नौसेना और वायुसेना की अलग-अलग कमान हैं।

मानव तस्करी के जरिये कंबोडिया पहुंचे 300 भारतीयों ने की 'बगावत, अधिकतर गिरफ्तार : आंध्र पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। हाल में यहां मानव तस्करी गिरोह का भंड़ाफोड़ होने की पृष्ठभूमि में आंध्र प्रदेश पुलिस ने मंगलवार को कहा कि अवैध तरीके से कंबोडिया ले जाए गए 300 भारतीयों ने 20 मई को अपने संचालकों के खिलाफ 'बगावत' कर दी जिसकी वजह से उनमें से अधिकतर को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि इनमें से 150 लोग विशाखापत्तनम के निवासी हैं और पिछले एक साल से कंबोडिया में फंसे हुए हैं, जहां उन्हें चीनी संचालकों द्वारा साइबर अपराध और 'पोंजी' घोटाले को अंजाम देने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

विशाखापत्तन के पुलिस आयुक्त ए. रवि शंकर ने रेखांकित किया कि मानव तस्करी के जरिये कंबोडिया ले जाए गए भारतीयों ने शिहानोउकविले के जिनबेई और कम्पाउंड में बलवा कर दिया जो कथित तौर पर साइबर अपराध का केंद्र है। शंकर ने एक विज्ञप्ति में बताया, कई लोगों ने व्हाटसऐप के जरिये विशाखापत्तनम पुलिस से संपर्क किया और वीडियो भेजे। सोमवार को करीब 300 भारतीयों ने कंबोडिया में अपने संचालकों के खिलाफ 'बगावत' कर दी। विशाखापत्तनम पुलिस ने 18 मई को चुक्क राजेश, एस कोंडल राव और एम. ज्ञानेश्वर राव को मानव तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार आरोपी भारत में युवाओं को सिंगापुर में डाटा एंट्री की नौकरी दिलाने का प्रलोभन देते थे, लेकिन वास्तव में साइबर अपराध को अंजाम देने के लिए उन्हें कंबोडिया भेज देते थे। पुलिस ने बताया कि कंबोडिया पहुंचने के बाद युवाओं को चीनी संचालकों द्वारा बंदी बना लिया जाता, उन्हें प्रताड़ित किया जाता था और गेम धोखाधड़ी, स्टॉक बाजार धोखाधड़ी और अन्य अपराधों को अंजाम देने के लिए मजबूर किया जाता था।

आम आदमी पार्टी स्वाति मालीवाल का 'चरित्र हनन' कर रही है : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आप) पर आरोप लगाया कि वह राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल से कथित तौर पर मारपीट करने के आरोपी बिभव कुमार के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय महिला नेता का ही 'चरित्र हनन' कर रही है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए केजरीवाल से पूछा कि कुमार के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई जबकि उनकी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने हाल ही में एक संवाददाता सम्मेलन में स्वीकार किया था कि मालीवाल के साथ दुर्व्यवहार किया गया था।

मालीवाल ने केजरीवाल के आधिकारिक आवास पर 13 मई को उनके साथ मारपीट किए जाने का आरोप लगाया था, जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने केजरीवाल के सहायक कुमार को गिरफ्तार कर लिया था। त्रिवेदी ने आरोप लगाया, एक महिला सांसद के साथ ऐसा दुर्व्यवहार! इस पर कार्रवाई करने के बजाय, आप उनके चरित्र हनन में लगे हैं। त्रिवेदी ने मामले में भाजपा की संलिप्तता का आरोप लगाए जाने को लेकर केजरीवाल पर निशाना साधा और उनसे पूछा, क्या आपने घटना की कोई जांच कराई? अगर नहीं तो किस आधार पर आप किसी निष्कर्ष पर पहुंच रहे हैं।

मालीवाल ने सोमवार को आरोप लगाया था कि दिल्ली सरकार के मंत्री उनके बारे में 'झूठ' फैला रहे हैं। उन्होंने उन्हें अदालत में ले जाने की धमकी दी थी। राज्यसभा सदस्य मालीवाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं के उन आरोपों का भी खंडन किया कि उन्होंने भाजपा के इशारे पर कुमार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है क्योंकि उनके खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज है।

सेबी ने आईपीओ की तैयारी में जुटी कंपनियों के लिए नियम बदले

नई दिल्ली/भाषा। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने वाली कंपनियों के लिए बाजार नियामक सेबी ने कहा है कि बिक्री पेशकश (ओएफएस) के आकार में किसी भी बदलाव के लिए नए सिरे से फाइलिंग की जरूरत सिर्फ रुपए में निर्गम के आकार या शेयरों की संख्या पर ही आधारित होगी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक अधिसूचना में कारोबारी सुगमता बढ़ाने के लिए यह कदम उठाया है। अधिसूचना के मुताबिक, निर्गम के बाद इक्विटी शेयर पूंजी का पांच प्रतिशत से अधिक हिस्सा रखने वाली प्रवर्तक समूह की इकाइयों और गैर-व्यक्तिगत शेयरधारकों को प्रवर्तक के रूप में चिह्नित किए बगैर 'न्यूनतम प्रवर्तक अंशदान' (एमपीसी) में आई कमी की भरपाई की अनुमति दी जा सकती है।

उद्यमियों द्वारा प्रवर्तित कंपनियां शेयर बाजारों पर अपने शेयरों को सूचीबद्ध करने से पहले वित्तपोषण के कई दौर से गुजरती हैं। ऐसी स्थितियों में, प्रवर्तकों की इक्विटी हिस्सेदारी पेशकश के बाद न्यूनतम प्रवर्तक अंशदान यानी 20 प्रतिशत इक्विटी शेयर पूंजी से कम हो सकती है। हालांकि, पूंजी और खुलासा प्रावधान (आईसीडीआर) का मौजूदा नियम कुछ श्रेणियों के निवेशकों को इस कमी की दिशा में अंशदान की अनुमति देता है लेकिन अब इस अधिसूचना के जरिये इसमें लचीलापन लाने की कोशिश की गई है। इसके अलावा, आईपीओ की मंजूरी के लिए सेबी के समक्ष दस्तावेजों का मसौदा (डीआरएचपी) दाखिल करने से पहले के एक साल में रखे गए अनिवार्य रूप से परिवर्तनीय प्रतिभूतियों के रूपांतरण से हासिल इक्विटी शेयरों को भी एमपीसी जरूरतें पूरी करने के लिए विचार किया जा सकता है। सेबी ने 17 मई को जारी इस अधिसूचना में बैंक हड़ताल जैसी अप्रत्याशित घटनाओं के कारण बोली बंद करने की तारीख को न्यूनतम तीन दिन की वर्तमान आवश्यकता के बजाय न्यूनतम एक दिन बढ़ाने का प्रावधान किया है। इन प्रावधानों को प्रभावी बनाने के लिए सेबी ने आईसीडीआर नियमों में संशोधन किया है।

एफएसआईबी ने एसबीआई चेयरमैन पद के लिए साक्षात्कार किया स्थगित

नई दिल्ली/भाषा। एफएसआईबी ने एक अप्रत्याशित कदम उठाते हुए एसबीआई के चेयरमैन पद के वास्ते उपयुक्त उम्मीदवार का चयन करने के लिए निर्धारित साक्षात्कार को स्थगित कर दिया है।

एफएसआईबी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों के निदेशकों की खोज करने वाली कंपनी है। सूत्रों ने बताया कि निर्धारित साक्षात्कार तय समय से कुछ घंटे पहले स्थगित किया गया। यह कदम उठाने की उचित वजह अभी पता नहीं चल पाई है।

हालांकि, सूत्रों ने बताया कि साक्षात्कार की नई तारीख देश में नई सरकार के गठन के बाद तय की जाएगी। वित्तीय सेवा संस्थान ब्यूरो (एफएसआईबी) दिनेश खारा के उत्तराधिकारी का चयन करने के लिए साक्षात्कार लिया जा रहा था। दिनेश खारा 28 अगस्त को सेवानिवृत्त होंगे। एफएसआईबी का नेतृत्व कार्मिक व शिक्षण विभाग (डीओपीटी) के पूर्व सचिव भानु प्रताप शर्मा करते हैं।

इक्विटी पूंजी बढ़ाने के लिए एफपीओ लाने पर विचार कर रही है इरेडा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी लि. (इरेडा) के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक प्रदीप कुमार दास ने सोमवार को कहा कि कंपनी अपनी इक्विटी पूंजी बढ़ाने के लिए अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) लाने की योजना बना रही है। उल्लेखनीय है कि नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) पिछले साल नवंबर में 2,150 करोड़ रुपए का आईपीओ (आरंभिक सार्वजनिक निर्गम) लेकर आई थी।

दास ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, हमने चालू वित्त वर्ष में 24,200 करोड़ रुपए बाजार से जुटाने का लक्ष्य रखा है। लेकिन हमारा अनुमान है कि नवीकरणीय ऊर्जा और नए उद्योगों (हरित हाइड्रोजन, बैटरी भंडारण आदि) की जरूरतों को पूरा करने के लिए हमें और इक्विटी पूंजी चाहिए। इसके लिए हम एफपीओ लाने पर विचार कर रहे हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, इस समय एफपीओ के आकार के बारे में अभी कुछ बताना मुश्किल होगा। यह अगले वित्त वर्ष के आखिर या अगले वित्त वर्ष की शुरुआत में आ सकता है। दास ने कहा कि हम चालू वित्त वर्ष में 30,000 करोड़ रुपए से अधिक कर्ज वितरण की उम्मीद कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी इरेडा का कर्ज वितरण वित्त वर्ष 2023-24 में 15.94 प्रतिशत बढ़कर 25,089.04 करोड़ रुपए रहा जो एक साल पहले 2022-23 में 21,639.21 करोड़ रुपए था।

इरेडा का शुद्ध एनपीए (गैर-निष्पादित परिसंपत्ति) 0.99 प्रतिशत रहा जो 2022-23 में 1.66 प्रतिशत था।

निजी पूंजीगत व्यय 2024-25 की दूसरी छमाही में बढ़ेगा : मुख्य अर्थशास्त्री, कोटक बैंक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कोटक महिंद्रा बैंक की मुख्य अर्थशास्त्री उपासना भारद्वाज ने मंगलवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में होटल और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में निजी निवेश बढ़ने की संभावना है। इससे पहले बीते वर्षों के दौरान सरकार ने बुनियादी ढांचे के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए पूंजीगत व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि की। सरकार आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए पूंजीगत व्यय पर जोर दे रही है, जिसके चलते कोविड महामारी के बाद वृद्धि की गति बनाए रखने में मदद मिली।

भारद्वाज ने एक साक्षात्कार में पीटीआई वीडियो को बताया, हम इसकी (निजी निवेश में पुनरुद्धार) दहलीज पर हैं। मुझे निजी क्षेत्र के पूंजीगत व्यय में बढ़ोतरी की उम्मीद है, लेकिन मुख्य रूप से दूसरी छमाही (अक्टूबर-मार्च) से ऐसा होगा। मौद्रिक संदर्भ में बजट 2024-25 में पूंजीगत व्यय आवंटन में वृद्धि हुई है, लेकिन प्रतिशत के संदर्भ में आवंटन में वृद्धि घटकर 11 प्रतिशत हो गई है, जो पिछले तीन वित्त वर्षों में लगभग 35 प्रतिशत थी। भारद्वाज ने कहा, हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र के पूंजीगत व्यय में थोड़ी कमी आने का अनुमान है, लेकिन मुझे उम्मीद है कि अगली दो तिमाहियों में निजी क्षेत्र में काफी सुधार देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि कुछ क्षेत्रों में निजी निवेश में तेजी के शुरुआती संकेत दिख रहे हैं, जो बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे से जुड़े हैं। उन्होंने कहा, इसलिए न केवल सार्वजनिक, बल्कि निजी क्षेत्र में भी बुनियादी ढांचा या निर्माण से जुड़े क्षेत्र अबतक अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि हम निजी क्षेत्र के अन्य क्षेत्रों में भी पूंजीगत व्यय में बढ़ोतरी देखेंगे। भारद्वाज ने कहा, मुझे लगता है कि होटल, पर्यटन क्षेत्र अब भी काफी पीछे हैं और यहां हमने पिछले कुछ वर्षों से क्षमता विस्तार नहीं देखा है। यही वह क्षेत्र है, जहां उल्लेखनीय तेजी देखने को मिलेगी।

इंडिगो ने पक्के टिकट धारक के स्थान पर प्रतीक्षारत यात्री को विमान में चढ़ाया, बाद में उतारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एक स्पष्ट सुरक्षा चूक में वाराणसी जाने वाली इंडिगो की एक उड़ान में 'कंफर्म' टिकट धारक के स्थान पर एक प्रतीक्षारत यात्री विमान में चढ़ गया। मुंबई हवाई अड्डे पर मंगलवार को हुई इस घटना में हालांकि उस यात्री को विमान के उड़ान भरने से पहले ही उतार दिया गया।

आम तौर पर, कोई एयरलाइन कर्मचारी जो सीट खाली होने की स्थिति में उड़ान भर सकता है, उसे प्रतीक्षारत (स्टैंडबाय) यात्री कहा जाता है। इंडिगो ने बयान में कहा कि मुंबई से वाराणसी जा रही उड़ान संख्या 6ई 6543 की यात्री बोर्डिंग प्रक्रिया के दौरान एक गलती हुई, जिसमें एक प्रतीक्षारत यात्री को एक कंफर्म यात्री के लिए आरक्षित सीट आवंटित की दी गई। एयरलाइन ने कहा कि विमान के उड़ान भरने से पहले गलती का पता चल गया और प्रतीक्षारत यात्री को विमान से उतार दिया गया। इसके कारण विमान के प्रस्थान में थोड़ी देरी हुई। इंडिगो ने कहा कि वह अपनी परिचालन प्रक्रियाओं को मजबूत करने के लिए सभी उपाय करेगी।

देश की आर्थिक वृद्धि दर पहली तिमाही में 7.5 प्रतिशत रहने का अनुमान : आरबीआई लेख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। सकल मांग और गांवों में गैर-खाद्यान्न वस्तुओं पर खर्च बढ़ने के साथ देश की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 7.5 प्रतिशत रह सकती है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मंगलवार को जारी मई बुलेटिन में यह कहा गया है।

बुलेटिन में प्रकाशित 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' पर एक लेख में कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने आपूर्ति शृंखला को प्रभावित करने वाली वैश्विक बाधाओं के बावजूद उल्लेखनीय मजबूती को दिखाया है। इसमें कहा गया है, आर्थिक गतिविधि सूचकांक (ईएआई) के अनुसार, अप्रैल में गतिविधियों में तेजी आई और शुरुआती अनुमान बताते हैं कि 2024-25 की पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि 7.5 प्रतिशत के आसपास रहने की उम्मीद है। आर्थिक गतिविधि सूचकांक (ईएआई) का निर्माण 'डायनेमिक फैक्टर मॉडल' का उपयोग करके, आर्थिक गतिविधियों से जुड़े 27 महत्वपूर्ण (हाई फ्रीक्वेंसी) संकेतकों के सामान्य रुख को निकालकर किया गया। फरवरी, 2020 में ईएआई को 100 रखा गया जबकि अप्रैल, 2020 में इसे शून्य कर दिया गया। इसका कारण अप्रैल महीना कोविड महामहारी के कारण आवाजाही पर प्रतिबंधों के कारण सबसे अधिक प्रभावित था।

सरकार 31 मई को मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए जीडीपी अनुमान और वर्ष 2023-24 के लिए राष्ट्रीय आय के अस्थायी अनुमान जारी करेगी। भारत की वृद्धि दर 2023-24 की जून तिमाही में 8.2 प्रतिशत, सितंबर तिमाही में 8.1 प्रतिशत और दिसंबर तिमाही में 8.4 प्रतिशत रही थी। लेख में कहा गया है कि जीएसटी संग्रह, बिजली खपत, माल ढुलाई जैसे 'हाई फ्रीक्वेंसी' संकेतक अप्रैल, 2024 में घरेलू मांग की स्थिति में निरंतर गति का संकेत देते हैं। टोल संग्रह इस साल अप्रैल में सालाना आधार पर 8.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। दोपहिया और तिपहिया खंड में मजबूत वृद्धि के कारण अप्रैल, 2024 में वाहन की बिक्री में सालाना आधार पर 25.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर माइकल देबब्रत पात्रा की अगुवाई वाली टीम के लिखे लेख में कहा गया है, इस बात की उम्मीद बढ़ रही है कि भारत बहुप्रतीक्षित आर्थिक उड़ान भरने की दहलीज पर है।

मुंबई में विमान की चपेट में आने के बाद 30 से अधिक फ्लेमिंगो की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई में कथित तौर पर एक विमान की चपेट में आने के बाद 30 से अधिक फ्लेमिंगो (राजहंस) की मौत हो गई है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से इसकी जांच कराने की मांग की है और दावा किया है कि शहरी योजनाकर्ताओं ने ऐसे आपदाओं के बारे में चेतावनियों को नजरअंदाज किया है। पुलिस ने बताया कि अभी तक घोटकोपर इलाके से 32 फ्लेमिंगो के शव बरामद किए गए हैं।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि ये पक्षी एक विमान की चपेट में आए थे जो सोमवार रात को यहां उतरा था। 'रेस्किंग एसोसिएशन फॉर वाइल्डलाइफ वेलफेयर' (आरएडब्ल्यूडब्ल्यू) के संस्थापक और वन विभाग में मानद वन्यजीव वार्डन पवन शर्मा ने बताया कि घाटकोपर में कुछ स्थानों पर मृत पक्षी देखे जाने के बारे में कई लोगों के फोन आ रहे थे। उन्होंने बताया कि वन विभाग के मैंग्रोव प्रकोष्ठ के साथ ही आरएडब्ल्यूडब्ल्यू दलों ने एक तलाश अभियान के दौरान सोमवार रात को इलाके में 29 मृत फ्लेमिंगो बरामद किए। उन्होंने बताया कि मंगलवार को तीन और शव पाए गए। शर्मा ने बताया कि कुछ पक्षियों के जमीन पर गिरने के बाद आवारा कुत्तों ने उन्हें नोंच डाला। उन्होंने बताया कि मृत पक्षियों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया और प्रोटोकॉल के अनुसार, उनके शवों का बाद में निपटारा किया जाएगा।

आरएडब्ल्यूडब्ल्यू सचिव और जीव विज्ञानी चिन्मय जोशी ने कहा कि हवाईअड्डा प्राधिकारियों को वन विभाग और वन्यजीव विशेषज्ञों के साथ मिलकर स्थिति के उचित मूल्यांकन के आधार पर वन्यजीव संघर्ष शमन और प्रबंधन योजना की समीक्षा करने और उसमें सुधार करने की आवश्यकता है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

'नैटकनेक्ट फाउंडेशन' के निदेशक बी एन कुमार ने एक विज्ञप्ति में कहा कि उन्होंने डीजीसीए को एक ईमेल भेजा है और यह पता लगाने के लिए उच्च स्तरीय जांच की मांग की है कि कैसे पक्षी अमीराती एयरलाइन के विमान की चपेट में आए और क्या पायलट अपने रडार पर पक्षियों के झुंड को देख नहीं पाया।

जल भराव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयंबटूर में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण नगर निगम के कर्मचारी सजग और पानी में गिरने वाले कचरे को हटाने की प्रक्रिया में जुटे हुए हैं। पानी निकास में कई जगह माटी और अन्य कचरा जमा होने से जल भराव हो रहा है। निगम के कर्मचारी रेनकोट पहनकर बारिश में इसे निकाल रहे हैं।

तमिलनाडु में भारी बारिश से लोग परेशान, एसडीआरएफ की 10 टीमें तैनात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के दक्षिणी और पश्चिमी इलाकों में मंगलवार को भारी बारिश के कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। राज्य सरकार ने किसी भी स्थिति से निपटने के लिए एसडीआरएफ की 10 टीमें तैनात की हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दक्षिणी और पश्चिमी इलाकों में अगले तीन दिनों तक भारी से बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। इन कई इलाकों में भारी बारिश जारी रहने की वजह से पानी भर गया है। राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और स्थानीय लोग मिलकर निचले इलाकों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए बचाव अभियान चला रहे हैं। आईएमडी ने लोगों से समुद्र तट क्षेत्रों में नहीं जाने को कहा है। कन्याकुमारी में हो रही भारी बारिश के चलते पर्यटकों की आमद पर भारी असर पड़ा है।

तमिलनाडु आपदा विभाग ने तिरुनेलवेली, तेनकासी, कन्याकुमारी, डिंडीगुल, कोयंबटूर, नीलगिरी, विरुधुनगर और थेनी जिलों में यात्रा के लिए अलर्ट जारी किया है। कॉमन अलर्ट प्रोटोकॉल के माध्यम से इन जिलों में 2.44 करोड़ मोबाइल पर बारिश की चेतावनी के बारे में एसएमएस अलर्ट भेजे गए हैं। भारी बारिश की भविष्यवाणी के कारण पर्यटकों को फिलहाल इन स्थलों पर न जाने की सलाह दी गई है। इन क्षेत्रों में अगले तीन दिनों तक बहुत भारी बारिश जारी रहने की संभावना है। तमिलनाडु राजस्व विभाग ने कन्याकुमारी, कोयंबटूर, तिरुनेलवेली और नीलगिरी जिलों में एसडीआरएफ की 10 टीमें तैनात की हैं। इन इलाकों में पहुंची एसडीआरएफ टीमों में कुल 296 कर्मी शामिल हैं।

एमजीएम हेल्थकेयर द्वारा तिरुवन्नामलाई में बीएलएस प्रशिक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

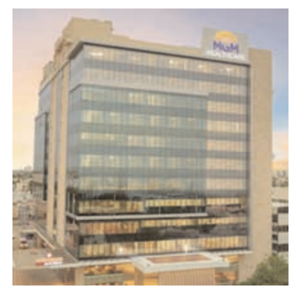

चेन्नई। एमजीएम हेल्थकेयर, चेन्नई के मध्य में एक मल्टीस्पेशलिटी क्वाटरनरी केयर अस्पताल, ने तिरुवन्नमलाई अरुणाचलेश्वर मंदिर में 100 से अधिक स्टाफ सदस्यों और स्वयंसेवकों के लिए एक बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया। बेसिक लाइफ सपोर्ट के महत्व पर जोर देने के लिए एमजीएम हेल्थकेयर के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा यह जागरूकता सत्र आयोजित किया गया था। एमजीएम हेल्थकेयर इन बीएलएस जागरूकता सत्रों का आयोजन करके सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए सक्रिय दृष्टिकोण अपना रहा है।

न्यूरोलॉजी विभाग के निदेशक डॉ. यू मीनाक्षीसुंदरम, जो अरुणाचलेश्वर मंदिर के ट्रस्टी भी हैं, और आपातकालीन विभाग के प्रमुख डॉ. राम मोहन के नेतृत्व में एमजीएम हेल्थकेयर के आपातकालीन विभाग के विशेषज्ञों ने मंदिर के ट्रस्ट बोर्ड, अध्यक्ष जीवानंदम और तिरुवन्नमलाई अरुणाचलेश्वर मंदिर के जूनियर कमीशंड अधिकारी सुश्री जोथी की मदद से मंदिर परिसर में ऑन-ग्राउंड बीएलएस प्रशिक्षण आयोजित किया। तमिलनाडु के अधिकांश हिस्सों में लू की स्थिति बनी हुई है, तापमान 38 से 42.5 डिग्री सेल्सियस के बीच है। गर्मी की छुट्टियों के दौरान मंदिरों और अन्य पर्यटक स्थलों पर पर्यटकों की आमद के साथ हीट स्ट्रोक और कार्डियक अरेस्ट के मामलों में वृद्धि हुई है। इस पहल का उद्देश्य चिकित्सा आपात स्थितियों को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए अधिक लोगों को बुनियादी जीवन समर्थन कौशल से लैस करना है। डॉ. राम मोहन ने चिकित्सा सहायता की आवश्यकता वाले किसी व्यक्ति से मिलने पर बरती जाने वाली विभिन्न स्वास्थ्य सावधानियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रशिक्षण सत्र के दौरान एक पुतले का उपयोग करके कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) का प्रदर्शन भी किया। प्रत्येक प्रतिभागी ने पुतले पर सीपीआर का अभ्यास किया। इसके अतिरिक्त, डॉक्टरों ने चिलचिलाती गर्मी के दौरान महत्वपूर्ण अत्यधिक तापमान के प्रभावों के प्रबंधन पर कर्मचारियों को मार्गदर्शन किया।

दक्षिणी रेलवे के महाप्रबंधक ने पलक्कड़ डिवीजन में हाथी अंडरपास का निरीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। रेलवे पटरियों पर हाथियों के अतिक्रमण से जुड़े जोखिमों को कम करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल में, दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक आरएन सिंह ने पलक्कड़ के मंडल रेल प्रबंधक अरुण कुमार चतुर्वेदी और अन्य रेलवे अधिकारियों के साथ 18 मई को मदुक्कराई और कोट्टेक्कड़ स्टेशनों के बीच हाथी गलियारा के पूरे रेलवे ट्रैक का व्यापक निरीक्षण किया।

पिछले सप्ताह महाप्रबंधक, दक्षिण रेलवे ने कुल रु. 15.42 करोड़ की लागत से हाथी घुसपैठ जांच प्रणाली की स्थापना के कार्य को मंजूरी दी थी। तमिलनाडु और केरल राज्यों के मदुक्कराई और कोट्टेक्कड़ स्टेशनों के बीच ए और बी दोनों लाइनों को कवर करते हुए पूरे हाथी गलियारे में स्थापित किया जाना है।

एआई आधारित हाथी घुसपैठ जांच प्रणाली के साथ ओएफसी आधारित वितरित ध्वनिक सेंसिंग रेलवे ट्रैक के पास हाथी की घुसपैठ का पता लगाता है और वास्तविक समय में स्टेशन मास्टर और लोको पायलटों को आवश्यक ऑडियो/विजुअल अलार्म उत्पन्न करता है और ट्रेन की गति को नियंत्रित किया जा सकता है। इस प्रकार हाथी की जान बचाई जा सकती है, ट्रेन के पटरी से उतरने और परिचालन में व्यवधान की संभावना से यात्रियों को होने वाली कठिनाई से बचा जा सकता है।

दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक आरएन सिंह ने पलक्कड़ मंडल के अधिकारियों के साथ तमिलनाडु राज्य के वालयार और एट्टीमदाई स्टेशन के बीच हाल ही में निर्मित दूसरे हाथी अंडरपास का निरीक्षण किया। अपने निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि दक्षिणी रेलवे हाथी घुसपैठ जांच प्रणाली को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए सभी प्रयास कर रहा है। गौरतलब है कि दक्षिणी रेलवे ने 2 करोड़ रुपये की लागत से दो अंडरपास बनाए हैं।

हाथियों के सुरक्षित मार्ग की सुविधा के लिए हाल ही में वालयार और एट्टीमदाई स्टेशनों के बीच 11.53 करोड़ रुपये खर्च किए गए।

महाप्रबंधक ने अन्य संबंधित कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की, जैसे कटाव और तटबंधों का चौड़ीकरण, जिससे हाथियों को ट्रैक से दूर जाने में सुविधा होगी, भोजन के लिए हाथियों को ट्रैक के करीब आने से रोकने के लिए ट्रैक के पास वनस्पति की सफाई की जाएगी।

रत्न भंडार की चाबी मुद्दे पर स्टालिन ने कहा

'वोटों के लिए मोदी तमिलों को बदनाम नहीं करें'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एमके स्टालिन ने ओडिशा में भगवान जगन्नाथ मंदिर के कोषागार की गायब चाबियों को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक टिप्पणी पर मंगलवार को कड़ी आपत्ति जताई और आरोप लगाया कि यह वोटों की खातिर तमिलों को बदनाम करने का प्रयास है। प्रधानमंत्री मोदी ने ओडिशा में एक रैली में कहा था कि भगवान जगन्नाथ मंदिर के कोषागार की चाबियां तमिलनाडु चली गई हैं। स्टालिन ने यहां एक बयान में कहा कि मोदी को तमिलों की छवि खराब करने वाली इस तरह की टिप्पणी नहीं करनी चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने भगवान जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार की चाबियां पिछले छह साल से गायब होने पर चिंता जताते हुए सोमवार को ओडिशा में नवीन पटनायक नीत बीजू जनता दल (बीजद) सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था, ''पुरी में भगवान जगन्नाथ का मंदिर भी इस सरकार के हाथों में सुरक्षित नहीं है।'' उन्होंने कहा था कि ओडिशा जानना चाहता है कि बीजद ने रत्न भंडार चाबियों पर न्यायिक आयोग की रिपोर्ट को क्यों दबाया।

मोदी ने कहा था, ''मामले में बीजद की भूमिका संदिग्ध है। भाजपा सरकार 10 जून को सत्ता में आने के बाद रिपोर्ट सार्वजनिक करेगी।'' उन्होंने कहा था कि ऐसा कहा जा रहा है कि रत्न भंडार की चाबी तमिलनाडु चली गयी हैं। स्टालिन ने आपत्ति जताते हुए आरोप लगाया कि मोदी अपने नफरत भरे भाषणों से लोगों के बीच दुश्मनी और राज्यों के बीच गुस्से की भावना पैदा कर रहे हैं। उन्होंने रत्न भंडार की चाबियों के गायब होने पर प्रधानमंत्री की टिप्पणियों का जिक्र करते हुए कहा, ''यह करोड़ों लोगों द्वारा पूजे जाने वाले भगवान जगन्नाथ का अपमान करने के साथ-साथ तमिलनाडु के लोगों का भी अपमान है, जो ओडिशा राज्य के साथ अच्छे संबंध और मित्रता रखते हैं।'' स्टालिन ने पूछा, ''क्या प्रधानमंत्री मोदी तमिलनाडु के लोगों को मंदिर का खजाना चुराने वाले चोरों के तौर पर अपमानित कर सकते हैं...क्या यह तमिलनाडु का अपमान नहीं है? तमिलों के प्रति इतनी नापसंदगी और नफरत क्यों है?'' उन्होंने कहा कि जनता तमिलनाडु में तमिल भाषा और यहां के लोगों की प्रशंसा करने और राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश व ओडिशा जैसे राज्यों में प्रचार करते समय उनके (तमिलनाडु के) बारे में बुरा-भला बोलने के मोदी के 'दोहरेपन' को समझेगी। स्टालिन ने कहा, ''प्रधानमंत्री को वोटों के लिए तमिलनाडु और तमिलों को बदनाम करना बंद करना चाहिए।''

तिरुनेलवेली और यलहंका के बीच विशेष ट्रेनें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार गर्मियों के दौरान अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए तिरुनेलवेली और यलहंका खंड में ट्रेन नंबर 06045/06046 तिरुनेलवेली-यलहंका-तिरुनेलवेली साप्ताहिक स्पेशल चलाई जा रही है।

ट्रेन नंबर 06045 तिरुनेलवेली-यलहंका साप्ताहिक स्पेशल की चार सेवाएं बुधवार को 22, 29 मई, 05 और 12 जून को दोपहर 15.15 बजे तिरुनेलवेली से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 03.15 बजे यलहंका पहुंचेगी। वापसी दिशा में ट्रेन नंबर 06046 यलहंका - तिरुनेलवेली साप्ताहिक स्पेशल गुरुवार को 23 , 30 मई, 06 और 13 जून को सुबह 05.00 बजे यलहंका से रवाना होगी और उसी दिन 18.45 बजे तिरुनेलवेली पहुंचेगी। इस ट्रेन में एक एसी टू टियर कोच, दो एसी थ्री टियर कोच, दस स्लीपर क्लास कोच, तीन सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच और दो द्वितीय श्रेणी कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) कोच होंगे।

रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले की जांच के सिलसिले में एनआईए ने कई राज्यों में की छापेमारी

कोयम्बटूर/नई दिल्ली। बेंगलूरु के रामेश्वरम कैफे में हुए विस्फोट के मामले की जांच के संबंध में राष्ट्रय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने कई राज्यों में छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रामेश्वरम कैफे में एक मार्च को हुए विस्फोट में कई ग्राहक और कर्मचारी घायल हो गए थे। इनमें से कुछ लोगों को गंभीर चोटें आई थीं। अधिकारी ने बताया कि अपराध में शामिल लोगों के साथ कुछ संदिग्धों के संबंधों की जानकारी के आधार पर कोयम्बटूर में भी कई जगहों पर अधिकारियों ने छापामारी की।

अधिकारियों ने कहा कि जिन जगहों पर छापेमारी की गई उनमें बेंगलूरु के कुमारस्वामी लेआउट और बनशंकरी भी शामिल थे। एनआईए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ''कई राज्यों के विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की जा रही है।'' एनआईए को तीन मार्च को यह मामला सौंपा गया था। एजेंसी ने 12 अप्रैल को इस मामले के सरगना अब्दुल मथीन अहमद ताहा सहित दो प्रमुख आरोपियों को गिरफ्तार किया था। ताहा, मुसाविर हुसैन शाजिब और अन्य एक आरोपी को कोलकाता के पास एक लॉज से गिरफ्तार किया गया था। वे यहां पर फर्जी पहचान के साथ रह रहे थे। इन तीनों आरोपियों ने ही कथित तौर पर कैफे में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) रखा था। ये दोनों कथित तौर पर शिवमोग्गा में स्थित इस्लामिक स्टेट मॉड्यूल के सदस्य हैं। अधिकारियों ने बताया कि इसी मॉड्यूल के सदस्य शारिक ने 19 नवंबर 2022 को मंगलूरु में विस्फोट किया था।

चेन्नई की आवासीय इमारत से बचाई गई बच्ची की मां ने की आत्महत्या

कोयंबटूर। चेन्नई में एक अपार्टमेंट के छज्जे के 'शेड' से हाल में नाटकीय ढंग से बचाई गई बच्ची की 33 वर्षीय मां ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली क्योंकि वह इस घटना के बाद हो रही अपनी आलोचनाओं से बहुत 'परेशान' थी। पुलिस ने बताया कि महिला ने करामदाई में अपने माता-पिता के घर पर यह कदम उठाया। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को कहा, चेन्नई के थिरुमुल्लईवोयल में वह अपने पति के साथ रह रही थीं। उनकी बच्ची गलती से उनके हाथ से छूटकर अपार्टमेंट के छज्जे के 'शेड' पर गिर गई थी और इस घटना के बाद से वह बहुत परेशान थीं। महिला 18 मई को अपने माता-पिता के घर बेहोश पड़ी मिली। उसके माता-पिता उसे तुरंत अस्पताल ले गए, लेकिन अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया। हाल में अपार्टमेंट के निवासियों द्वारा आठ महीने की इस बच्ची को नाटकीय ढंग से बचाए जाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

तीन विशेष ट्रेन सेवाएं हुई रद्द

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त जानकारी के अनुसार परिचालन और सुरक्षा कारणों से निम्नलिखित विशेष ट्रेनें रद्द कर दी जाएंगी। ट्रेन नंबर 06041 मंगलुरु सेंट्रल-कोयंबटूर साप्ताहिक स्पेशल 08 , 15 , 22 , 29 जून को सुबह 09.30 बजे मंगलूरु सेंट्रल से छूटती है, पूरी तरह से रद्द कर दी गई है। वापसी में ट्रेन नंबर 06042 कोयंबटूर - मंगलूरु सेंट्रल साप्ताहिक स्पेशल 08 , 15 , 22 , 29 जून को 22.15 बजे कोयंबटूर से छूटती है, पूरी तरह से रद्द है ट्रेन नंबर 06071 कोचुवेली-हज़रत निज़ामुद्दीन साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल 07 , 14 , 21 , 28 जून को 14.15 बजे कोचुवेली से छूटती है, पूरी तरह से रद्द है। वहीं वापसी में ट्रेन नंबर 06072 हज़रत निज़ामुद्दीन-कोचुवेली साप्ताहिक स्पेशल 10 , 17 , 24 जून और 01 जुलाई को 04.10 बजे हज़रत निज़ामुद्दीन से छूटती है, पूरी तरह से रद्द है। वहीं 21 , 23 , 28 और 30 जून को 23.50 बजे चेन्नई एग्मोर से छूटने वाली ट्रेन संख्या 06037 चेन्नई एग्मोर-वेलांकनी द्वि-साप्ताहिक स्पेशल पूरी तरह से रद्द है।वापसी में ट्रेन नंबर 06038 वेलानकन्नी - चेन्नई एग्मोर द्वि-साप्ताहिक स्पेशल 22 , 24, 29 जून और 01 जुलाई को 14.45 बजे वेलानकन्नी से छूटती है, पूरी तरह से रद्द कर दी गई है।

राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय और भारतीय तटरक्षक बल ने समुद्री सुरक्षा प्रशिक्षण में नई राह बनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। 20 मई को, राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) ने अपने स्कूल ऑफ इंटीग्रेटेड कोस्टल एंड मैरीटाइम सिक्योरिटी स्टडीज (एसआईसीएमएसएस) के माध्यम से 'एकीकृत तटीय और समुद्री सुरक्षा और' विषय पर 3-सप्ताह के प्रमाणित प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले सत्र के उद्घाटन की मेजबानी की। 'महासागर शासन' इस कार्यक्रम में तटरक्षक उत्तर-पश्चिम क्षेत्र के कमांडर, महानिरीक्षक एके हरबोला की उपस्थिति रही।

एसआईसीएमएसएस के निदेशक, सुशील गोस्वामी ने 15 वरिष्ठ स्तर के तटरक्षक अधिकारियों की क्षमताओं को बढ़ाने में कार्यक्रम के महत्व को रेखांकित किया। गोस्वामी ने उभरते समुद्री सुरक्षा खतरों का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के लिए आरआरयू की प्रशिक्षण क्षमता की मदद से अधिकारियों के कौशल को बढ़ाने में कार्यक्रम के महत्व पर जोर दिया। एसआईसीएमएसएस के सहायक निदेशक

अंकुर शर्मा ने कार्यक्रम की व्यापकता पर प्रकाश डाला, जिसमें समुद्री कानूनों से लेकर समुद्री फोरेंसिक और पुरातत्व जैसे अत्याधुनिक डोमेन तक आवश्यक विषयों को शामिल करते हुए 54 सत्र शामिल थे।

एसआईसीएमएसएस के मुख्य संरक्षक और भारतीय तट रक्षक के पूर्व महानिदेशक डॉ. प्रभाकरन पलेरी ने अपेक्षित ज्ञान के साथ अधिकारियों को सशक्त बनाने के कार्यक्रम के दृष्टिकोण को स्पष्ट किया। महानिरीक्षक एके हरबोला ने आरआरयू के नेतृत्व के प्रति उनके समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया, बढ़ती समुद्री गतिविधियों के मद्देनजर कार्यक्रम की आवश्यकता पर जोर दिया और तटरक्षक अधिकारियों से जितना संभव हो उतना सीखने का आग्रह किया।

कुलपति प्रो. (डॉ.) बिमल एन. पटेल ने तटीय सीमाओं की सुरक्षा में भारतीय तटरक्षक बल की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की और बिना चालक दल वाले वाहनों, समुद्र के स्तर में वृद्धि, आईयूयू मछली पकड़ने और आतंकवाद जैसी चुनौतियों पर प्रकाश डाला, जिनके लिए प्रभावी जवाबी उपायों की आवश्यकता है। एसआईसीएमएसएस में सहायक प्रोफेसर और प्रशिक्षण समन्वयक सुश्री तनीषा रंजन ने ऐसी प्रशिक्षण पहल की अनिवार्यता को पहचानने के लिए आरआरयू और आईसीजी नेतृत्व का आभार व्यक्त किया, जो अधिकारियों को उभरती प्रौद्योगिकियों से लेकर अंतरराष्ट्रीय कानूनी ढांचे तक जटिल चुनौतियों से निपटने में मदद करेगा।

तीव्र हीटवेव का रेड अलर्ट, 48 डिग्री तक चढ़ेगा पारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में तीव्र हीटवेव को लेकर रेड अलर्ट जारी कर दिया गया है। राज्य में बीते चार-पांच दिनों से मौसम का बहुत बुरा हाल है। हीटवेव का दौर जारी है। लेकिन अगले 48 घंटे में यह और प्रचंड रूप लेने वाला है। मौसम विभाग के मुताबिक, राजस्थान में अधिकतम तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने वाला है। वहीं 25 मई तक राज्य में तापमान का टॉर्चर देखने को मिलेगा।

जयपुर मौसम विज्ञान केंद्र निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया, 'राजस्थान में पिछले चार-पांच दिनों से हीटवेव का दौर जारी है। बीते चौबीस घंटे की बात करें तो जोधपुर, बीकानेर, जयपुर, भरतपुर और कोटा संभाग के कई इलाकों में अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर है। इसके अलावा अगले 48 घंटों में अधिकतम तापमान में दो डिग्री की बढोतरी की संभावना है।' यानी अगले दो दिनों में पारा दो डिग्री और चढ़ने वाला है।

तीव्र हीटवेव का रेड अलर्ट

मौसम वैज्ञानिक ने आगे बताया, 'फिलहाल जो राजस्थान में हीटवेव का दौर चल रहा है, वह अगले 48 घंटों में तीव्र हीटवेव में बदलने वाला है। मौसम विभाग की ओर से पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर और बीकानेर संभाग के अधिकतर इलाकों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। यानी अधिकतर हिस्से ऐसे होंगे जहां 23 मई को अधिकतम तापमान 45 डिग्री के ऊपर और कुछ इलाकों में तो 47-48 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किए जाएंगे। तीव्र हीटवेव की परिस्थिति रहेगी।'

25 मई तक कहर ही कहर

मौसम विभाग के मुताबिक, भरतपुर, जयपुर और कोटा संभाग के भी कई ऐसे इलाके होंगे जहां 23 से 25 मई के दौरान अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किए जाएंगे।

यानी तीव्र हीटवेव की स्थिति राजस्थान के कई इलाकों में बनी रहेगी। इस दौरान कहीं-कहीं तापमान 47-48 डिग्री भी रिकॉर्ड हो सकता है। साथ ही साथ रात में न्यूनतम तापमान की अगर बात करें तो यह भी ज्यादातर इलाकों में तीन से चार डिग्री तक ऊपर रहेगा। यानी राजस्थान में अगले 4-5 दिनों तक रातों में भी मौसम गर्म रहेगा।

प्रदेश में सुचारू रूप से हो रही टीबी दवाओं की आपूर्ति : सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश में टीबी रोग के उपचार में उपयोग आने वाली सभी आवश्यक दवाइयों की सुचारू आपूर्ति की जा रही है। विगत दिनों कुछ समय के लिए राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत क्षय औषधियों की केन्द्र से आपूर्ति बाधित हुई थी, लेकिन चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने त्वरित प्रबंधन कर दवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित की। अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती शुभ्रा सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि टीबी संक्रमितों का प्रोटोकॉल के अनुसार उपचार सुनिश्चित किया जाए। इसमें किसी तरह की लापरवाही नहीं हो।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने टीबी उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए बताया कि प्रदेश में टीबी उन्मूलन के लिए सकंल्पबद्ध होकर टीबी संक्रमण की पहचान व उपचार सेवाओं का संचालन किया जा रहा है। केन्द्र सरकार से कुछ समय के लिए दवाओं की आपूर्ति प्रभावित होने पर भी प्रदेश में बफर स्टॉक के माध्यम से टीबी उपचार के लिए दवाओं की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की गई। साथ ही, स्थानीय स्तर पर अधिकारियों को टीबी की दवा खरीदने के लिए प्राधिकृत किया गया और इसके लिए आवश्यक बजट भी जारी किया गया।

दवाओं की पर्याप्त आपूर्ति के लिए राज्य सरकार ने केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को पत्र भी लिखा था। अब प्रदेश में टीबी दवा की समुचित आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बताया कि अप्रैल एवं मई माह में केन्द्र सरकार से 4-एफडीसी की करीब 1 लाख टेबलेट तथा 3-एफडीसी की करीब 1 लाख 3 हजार टेबलेट्स की आपूर्ति की गई। इसी प्रकार जिलों में स्थानीय स्तर पर अप्रैल और मई माह में करीब 5 लाख 75 हजार टेबलेट्स की खरीद की गई। दवा खरीद के लिए करीब 8 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति जारी की गई।

दवाओं की पर्याप्त आपूर्ति के लिए राज्य सरकार ने केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को पत्र भी लिखा था। अब प्रदेश में टीबी दवा की समुचित आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

श्रीमती सिंह ने बताया कि चिकित्सा विभाग की ओर से इस महत्वपूर्ण स्वास्थ्य कार्यक्रम की नियमित समीक्षा की जा रही है। जहां भी दवाओं की उपलब्धता से संबंधित समस्या सामने आई, वहां तत्काल प्रभाव से दवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है।

स्थानीय स्तर पर खरीद के साथ ही जिन जिलों में अधिक मात्रा में दवा उपलब्ध थी, वहां से अन्य जिलों को दवा की आपूर्ति सुनिश्चित की गई। चिकित्सकों द्वारा टीबी के उपचार में उपयोग में आने वाली अन्य वैकल्पिक दवाओं के माध्यम से भी रोगियों का उपचार सुनिश्चित किया गया। श्रीमती सिंह ने बताया कि केन्द्र सरकार से प्राप्त सभी आवश्यक दवाइयों की आपूर्ति एवं दिशा-निर्देश के अनुसार गतिविधियों का क्रियान्वयन किया जा रहा है। सभी अधिकारियों को प्राप्त इनडेंट के अनुसार दवाओं की आपूर्ति करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, टीबी पहचान व उपचार सेवाओं की गतिविधियों की सघन मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश दिये हैं।

जोधपुर के माचिया सफारी पार्क में बाघिन की मौत, हीट वेव से मौत की आशंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान के जोधपुर के माचिया बायोलॉजिकल सफारी पार्क की बाघिन अंबिका की मृत्यु हो गई। तापमान बढ़ने से हीट वेव की चपेट में आने से उसकी मौत की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल उसका पोस्टमार्टम किया जा रहा है। पार्क के रेंजर बालाराम विश्नोई ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मृत्यु के कारणों का खुलासा होगा। बाघिन अंबिका को 2016 में माचिया पार्क में बाघों का कुनबा बढ़ने के लिए कानपुर से लाया गया था। अंबिका की मौत के बाद उसका पार्टनर एंथोनी अब अकेला रह गया है। जोधपुर के माचिया पार्क में केट सेक्शन में वर्तमान में दो लॉयन, एक टाइगर और चार लेपर्ड हैं।

पश्चिमी राजस्थान में इन दिनों तापमान लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि बाघिन अंबिका की मौत शायद लू लगने से हुई हो। वह सोमवार को लंबे समय से नींद में सो रही थी. उसे उठाया नहीं गया और काफी समय निकालने के बाद भी अंबिका जब नहीं उठी, तब कर्मचारियों को शक हुआ।

इस पर उन्होंने बाघिन को उठाने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं उठी. जांच करने पर पता चला कि उसकी मृत्यु हो चुकी है। आशंका यह भी है कि पिंजरे में किसी सांप ने उसे सोते हुए डस लिया होगा। वास्तविक कारण पोस्टमार्टम से ही सामने आएगा।

पथरीली सतह पर विकसित माचिया पार्क में वन्यजीवों को गर्मी से बचाने के लिए पिजरों के पास वाटर कूलर लगाए गए हैं। वन्य जीवों पर समय समय पर पानी भी डाला जाता है, लेकिन इन दिनों प्रचंड गर्मी के चलते ये इंतजाम नाकाफी हो रहे हैं। इसके अलावा गर्मी के चलते जीवों का खाना पीना वैसे भी कम हो जाता है। ऐसे में गर्मी की चपेट में उसकी मृत्यु होने की आशंका जताई जा रही है।

मोबाइल को लेकर हुए विवाद में मां ने बेटी के सिर पर रॉड से वार किया, मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर में मोबाइल फोन के इस्तेमाल को लेकर हुए विवाद के बाद मां ने कथित तौर पर बेटी के सिर पर रॉड से वार कर दिया जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना बिंदायका थाना क्षेत्र की है और युवती की मां के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। बिंदायका थानाधिकारी भजनलाल ने बताया कि ब्रजेश सिंह की बेटी निकिता सिंह (22) प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी और सोमवार को उसकी मां सीता मोबाइल छिपाकर काम पर चली गई।

उन्होंने बताया कि मोबाइल फोन छिपाने को लेकर मां-बेटी में विवाद हो गया और बात हाथापाई तक पहुंच गई जिसके बाद गुस्साई मां ने अपनी बेटी के सिर पर रॉड से वार कर दिया। भजनलाल ने बताया कि सिर में चोट लगने से निकिता बेहोश हो गई और उसे एसएमएस अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

उन्होंने बताया, ''निकिता मोबाइल पर ज्यादा समय बिताती थी। इसी कारण करीब ढाई माह पहले भी उसके परिजनों ने मोबाइल छीन लिया था।'' पुलिस अधिकारी ने बताया, ''हमने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।''

राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर मनाया गया बलिदान दिवस

अजमेर। राजस्थान के अजमेर में पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न राजीव गांधी की 33वीं पुण्यतिथि को बलिदान दिवस के रूप में मनाया गया। अजमेर के पंचशील नगर स्थित राजीव गांधी सर्किल पर अजमेर शहर कांग्रेस कमेटी की ओर से आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेसजनों ने राजीव गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

अजमेर कांग्रेस शहर अध्यक्ष विजय जैन ने राजीव गांधी को अपने श्रद्धासुमन देते हुए कहा कि दूरदर्शी नीतियों से आधुनिक भारत के निर्माता, देश में संचार एवं कम्प्यूटर क्रांति के जनक तथा शांति सद्भाव के पुरोधा को हम नमन करते हैं। उन्होंने कहा कि उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प हर कांग्रेसी का कर्तव्य होना चाहिए।

किसानों की जमीन नीलाम नहीं होने देगी सरकार : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता व पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने सोमवार को कहा कि राज्य में किसानों की जमीन नीलाम नहीं होगी और इस बारे में मुख्यमंत्री के स्तर पर जल्द ही नीतिगत निर्णय लिया जाएगा।

राठौड़ ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार कटिबद्ध है.. हमने आदेश भी जारी कर दिये हैं कि किसानों की जमीन नीलाम नहीं होगी.. और आगे किस प्रकार इस पर नीतिगत फैसला लिया जाये इसके लिये मुख्यमंत्री के स्तर पर संज्ञान लिया गया है.. शीघ्र निर्णय लिया जायेगा। उन्होंने कहा एक समिति बनाकर मामले का अध्ययन करने एवं समाधान करने की पूरी कोशिश की जायेगी।

उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार ने आदेश जारी कर दिया कि सहकारी संस्थाएं किसी भी फसली ऋण के बारे में किसी भी किसान की जमीन जिस भी स्थिति में हो उस पर कार्रवाई न करे। राठौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर हमला करते हुए कहा, खुद गहलोत ने विधानसभा में कहा था कि एक करोड़ 35 लाख किसानों के खाते अवधि पार होने के कारण एनपीए हुए हैं.. अब ये सारा कुकर्म जो पिछली सरकार का था.. उसके कारण से किसान की फसल नीलामी पर आ रही है.. और यह आरोप उस सरकार पर लगा रहे हैं जो सरकार अपने कार्यकाल के 115 दिन पूरा कर रही है।

उन्होंने कहा कि वह गहलोत द्वारा मौजूदा भाजपा सरकार पर इस बारे में लगाए गए आरोपों को खारिज करते हैं। उल्लेखनीय है कि पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने हनुमानगढ़ जिले में कर्ज नहीं चुकाने पर किसानों की जमीन की नीलामी की सार्वजनिक सूचना को लेकर राजस्थान की भाजपा सरकार पर निशाना साधा था।

गहलोत ने कहा था कि भाजपा ने राजस्थान में अपने घोषणा पत्र की पृष्ठ संख्या 42 पर किसानों की जमीन की नीलामी रोकने की बात कही थी, लेकिन राजस्थान में किसान की जमीन की नीलामी की जा रही है। हनुमानगढ़ सहकारी भूमि विकास बैंक लिमिटेड ने 17 मई को हनुमानगढ़ की विभिन्न तहसीलों में 20 किसानों की कृषि भूमि की नीलामी की सार्वजनिक सूचना शनिवार को समाचार पत्रों में प्रकाशित की थी।

नगर निगम ग्रेटर कार्यालय पर सफाई कर्मचारियों का प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मंगलवार को नगर निगम ग्रेटर में सफाई कर्मचारियों ने संयुक्त वाल्मिकि एवं सफाई श्रमिक संघ अध्यक्ष (ग्रेटर एवं हैरिटेज) नंदकिशोर डंडोरिया के नेतृत्व में निगम के अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। नगर निगम ग्रेटर के अधिकारियों पर सफाई कर्मचारियों ने गंभीर आरोप लगाए। कर्मचारियों ने कहा कि उनके एक साथ कर्मचारी की इसलिए मौत हो गई, क्योंकि बीमारी के बावजूद अधिकारियों ने उन्हें अवकाश नहीं दिया। नगर निगम ग्रेटर में दस हजार सफाई कर्मचारियों की जरूरत है और काम करने वाले मात्र 2200 कर्मचारी ही हैं। सफाई कर्मचारियों का कहना है कि प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा अनावश्यक प्रताड़ित किया जाता है। सफाई कर्मचारियों ने अपना 13 सूत्रीय मांग पत्र नगर निगम आयुक्त रूकमणि रियाड़ को सौंपा और तीन दिन में मांगें पूरी ना होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी।

मंगलवार को नगर निगम ग्रेटर के कर्मचारी भारी संख्या में नगर निगम परिसर के अंदर एकत्रित हुए और नगर निगम प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। संयुक्त वाल्मिकि एवं सफाई श्रमिक संघ अध्यक्ष (ग्रेटर एवं हैरिटेज) नंदकिशोर डंडोरिया की के नेतृत्व में सभी कर्मचारी नारेबाजी करते हुए निगम में दाखिल हुए और नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणि रियाड़ के कार्यालय के बाहर इकटठे हो गए। यहां सभी महिला एवं पुरुष सफाई कर्मचारियों ने काफी देर तक नगर निगम प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इसके बाद नवीन भारद्वाज, डीसी हैल्थ नगर निगम आए और उन्होंने सभी समझाने का प्रयास किया। नवीन भारद्वाज की समझाइश के बाद संयुक्त वाल्मिकि एवं सफाई श्रमिक संघ अध्यक्ष (ग्रेटर एवं हैरिटेज) नंदकिशोर डंडोरिया के नेतृत्व में 5 सफाई कर्मचारी नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणि रियाड़ से मिले और अपना 13 सूत्रीय मांग पत्र उनको सौंपा। आयुक्त रूकमणि रियाड़ के आश्वासन के बाद सभी कर्मचारी उनके दफ्तर से बाहर आ गए और तीन दिन में मांगे पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी।

संयुक्त वाल्मिकि एवं सफाई श्रमिक संघ अध्यक्ष (ग्रेटर एवं हैरिटेज) नंदकिशोर डंडोरिया ने बताया कि निगम के प्रशासनिक अधिकारी सफाई कर्मचारियों और अधिकारियों को परेशान करते हैं। इसी वजह से मालवीय नगर जोन के सीएसआई रामचरण मोठा की हृदय गति रुकने से मौत हो गई। आज हमने उनकी की भी आवाज उठाई है।

विश्व मधुमक्खी दिवस

खाद्य सुरक्षा और जैव विविधता बनाए रखने में मधुमक्खी महत्वपूर्ण कड़ी : डॉ अरूण कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि महाविद्यालय में विश्व मधुमक्खी दिवस के अवसर पर खाद्य सुरक्षा एवं जैव विविधता के लिए मधुमक्खियां जरूरी विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ अरूण कुमार ने कहा कि खाद्य सुरक्षा और जैव विविधता को बनाए रखने में मधुमक्खी एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

उन्होने कहा कि मधुमक्खी एक ऐसा सामाजिक कीट है जो ना सिर्फ शहद उत्पन्न करता है बल्कि इसके द्वारा रॉयल जैली, पराग कण, प्रोपोलिस, मोम आदि भी प्राप्त होता है।

विदित है कि मधुमक्खी दिवस सम्पूर्ण विश्व में 20 मई को मधुमक्खी पालन के प्रथम अन्वेषक ऐन्टोन जानसा की जयंती पर वर्ष 2017 से प्रति वर्ष मनाया जा रहा है।

कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पीके यादव ने मधुमक्खियों के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि दुनियां में मधुमक्खी ना हो तो मानव सभ्यता खतरे में पड़ जाएगी। इसी क्रम में प्रसार निदेशक डॉ सुभाष चंद्र ने मधुमक्खी पालन को उद्यमिता के रूप में अपनाने को लेकर कहा कि इसे स्वरोजगार के रूप में अपनाना चाहिए। इसमें जमीन की भी आवश्यता नहीं होती।

वरिष्ठ कीट वैज्ञानिक एवं छात्र कल्याण निदेशक डॉ वीर सिंह ने मघुमक्खी से प्राप्त होने वाले विभिन्न उत्पादों व उनकी उपयोगिता पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। कीट विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. एच. एल. देशवाल ने बताया कि विश्व मधुमक्खी दिवस मनाने का उद्देश्य युवाओं व आमजन में मधुमक्खियों के योगदान के बारे में जागरूक करना है और कृषि के सुस्थिर उत्पादन में मधुमक्खियों के योगदान के बारे में बताना है। उन्होने बताया कि देश में मधुमक्खियों से शहद का कुल उत्पादन । लाख 33 हजार मैट्रिक टन होता है।

आग उगलते सूरज के नीचे तपती धरा पर संत कर रहे हैं तप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वैर। आसमान से आग उगलता सूरज और तपती धरती पर तन पर लंगोटी बांधे, सिर पर आग का जलता खप्पर धारण कर अंगारों के मध्य संत अग्नि तपस्या कर रहे हैं। ऐसे संतों की हठधर्मी कहें या धर्म के प्रति आस्था।

यह संत आस्था का ही मनोबल है कि उनका आग की तपिश और लू के थपेडे कुछ नही बिगाड़ पा रहे हैं। आस्था की यह तपस्या भीषण गर्मी पर भारी पड़ रही है। भुसावर व वैर उपखण्ड क्षेत्र से गुजरने वाली बाणगंगा नदी एवं उसके किनारे बसे गांवों के आसपास कई संत अग्नि तप कर रहे हैं। गांव जहानपुर के चारागाह भूमि पर अग्नि तप कर रहे संत मानदास महाराज ने बताया कि सनातन धर्म में अग्नि व जल तप कठोर तप हैं। अग्नि तप गर्मी एवं जल तप सर्दी के मौसम किया जाता है। विश्वशान्ति व मानव कल्याण के उद्देश्य से पिछले कई वर्षो से अग्नि तप किया जा रहा है। इसी प्रकार झारोठी, धरसौनी, खेरली गुर्जर स्थान पर कई संत अग्नि तप कर रहे हैं।

लैना के बनखण्डी आश्रम के महंत रविनाथदास महाराज ने बताया कि तप करने से इंसान को आत्मशान्ति प्राप्त होती है और सनातन धर्म का प्रचार-प्रसार होता है। साथ ही लोगों में देशभक्ति, समाज व मानव सेवा के भाव जागरूक होते है।

शर्मसार करने वाली है दिल्ली मुख्यमंत्री आवास में महिला सांसद के साथ हुई घटना : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नई दिल्ली लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी बांसुरी स्वराज के समर्थन में सभा करने पहुंचे प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश में एक से बढ़कर एक भ्रष्टाचार हुए। देश में कांग्रेस ने भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण के आधार पर काम किया। 1984 में सिखों के साथ दंगे हुए और दोषियों को बचाने का काम कांग्रेस ने किया। उन्होंने आमजन से कहा कि आज देश की स्थिति क्या है और 2014 से पहले देश की स्थिति बिगाड़ने वाले कौन लोग थे, इसके बारे में सभी को सोचना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में आज बढ़ता हुआ भारत नजर आ रहा है। 2014 से पहले देश की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान पर थी, वह अर्थव्यवस्था आज दुनिया में पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है और आने वाले समय में तीसरे स्थान पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली देश का दिल है और यहां के आमजन के दिल में भाजपा है। अन्ना हजारे के साथ आंदोलन करके भ्रष्टाचार हटाने की बात कहकर सत्ता में आए केजरीवाल स्वयं भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं। महिला राज्यसभा सांसद के साथ दिल्ली मुख्यमंत्री आवास में हुई घटना शर्मसार करने वाली है।

गंग कैनाल की करणी-जी नहर में आया कटाव

श्रीगंगानगर। राजस्थान अनूपगढ़ जिले में गंग कैनाल की करणी-जी नहर में सोमवार देर रात को कटाव हो गया। जिससे पास में ही सड़क के साथ के खड्डे में पानी भर गया। आज सुबह लगभग पांच बजे नजदीक के किसानों को नहर में कटाव हो जाने का पता चला। कुछ ही देर में काफी संख्या में किसान इकट्ठा हो गए और टूटे हुए किनारे को मिट्टी से बांधने में जुट गए। ग्रामीण मजदूर किसान समिति (जीकेएस) के प्रदेश सचिव तथा जल उपयोक्ता संगम 22-जीबी के अध्यक्ष गुरप्रीत सिंह पड्डा ने बताया कि सुबह पांच बजे एक सूचना पर वह मौके पर पहुंचे।

बाद में जल उपयोक्ता संगम चक 12-जीबी के अध्यक्ष मंगा सिंह और करणी-जी नहर अध्यक्ष कुलविंदर सिंह हेयर भी मौके पर पहुंच गए और आसपास के किसान नहर को बांधने में जुट गए। उन्होंने बताया कि पीछे डाबला हैड से नहर में पानी की मात्रा को कम करवाया गया ताकि किनारे को बांधने का काम तेजी से किया जा सके। एक हफ्ते की बंदी के बाद गत गुरुवार को डाबला हैड से करणी-जी नहर में पानी छोड़ा गया था।

बाबा साहेब आंबेडकर नहीं होते तो नेहरू एससी-एसटी को आरक्षण नहीं मिलने देते : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मोतिहारी/महाराजगंज/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर नहीं होते तो पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) को आरक्षण नहीं मिलने देते। प्रधानमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण की राजनीति और सनातन विरोधी सोच के साथ खड़ा है और चार जून को लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के साथ ही इन सभी को बड़ा झटका लगेगा।

बिहार के पूर्वी चंपारण और महाराजगंज संसदीय क्षेत्र में अलग-अलग चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए मोदी ने दावा किया, बाबा साहेब आंबेडकर ना होते तो नेहरू जी एससी-एसटी को आरक्षण नहीं मिलने देते। उन्होंने तो मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इसका विरोध किया था। नेहरू जी से लेकर राजीव गांधी तक इस परिवार के जितने प्रधानमंत्री हुए, सबने ओबीसी आरक्षण का विरोध किया। उन्होंने कहा, कांग्रेस के पास एक ही वोट बैंक आज बचा है और वे उसे खुश करने के लिए एससी, एसटी और ओबीसी का आरक्षण धर्म के आधार पर आपसे छीनकर ''वोट जिहाद'' वालों को देना चाहते हैं। संविधान इसकी इजाजत नहीं देता इसलिए ये संविधान बदलना चाहते हैं। उन्होंने कहा, राजग ने पहले दलित बेटे को और फिर हमारे देश की आदिवासी बेटी को संविधान के सर्वोच्च राष्ट्रपति पद पर बिठाया। हमारी सरकार ही है, जिसने पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया।

मोदी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव पर परोक्ष निशाना साधा और कहा, जो लोग चांदी का चम्मच लेकर पैदा होते हैं उन्हें पता नहीं होता मेहनत क्या होती है। मैंने सुना है कि यहां कोई घूम-घूम कर कह रहा है कि चार जून के बाद मोदी 'बेड रेस्ट' पर जाएंगे। मैं तो परमात्मा से प्रार्थना करता हूं, मैं तो यही कामना करता हूं कि मोदी तो क्या देश के किसी भी नागरिक के जीवन में 'बेड रेस्ट' की नौबत नहीं आनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा, आपने देखा होगा कांग्रेस वाले क्या कहते हैं, मोदी तेरी कब्र खुदेगी। उत्तर प्रदेश के शहजादे क्या कहते हैं, अब मोदी के आखिरी दिन बनारस में कटने हैं।

इस चुनाव में इन लोगों के पास मोदी को गाली देने के सिवाय कोई मुद्दा नहीं। मोदी ने कहा, चंपारण की यह धरती प्रेरणा की धरती है। अभी कल ही पहले पांच चरण का चुनाव पूरा हुआ है। पहले चरण में 'इंडिया' गठबंधन पस्त हो गया था। इसके बाद के चरणों में गठबंधन 'ध्वस्त' हुआ और अब कल जो पांचवा चरण हुआ है, इंडिया गठबंधन पूरी तरह 'परास्त' हो चुका है। मोदी ने आरोप लगाया, कांग्रेस और उसके साथियों ने मिलकर देश के 60 साल बर्बाद कर दिए।

विपक्षी दलों का गठबंधन लोगों को जाति, धर्म में बांटकर देश को लूटना चाहता है : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बलरामपुर/सिद्धार्थनगर/बस्ती (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता योगी आदित्यनाथ ने 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) गठबंधन पर आरोप लगाते हुए मंगलवार को कहा कि यह जनता को जाति और धर्म में बांटकर देश को लूटना चाहता है।

सभाओं में योगी ने कहा, अबकी बार-400 पार के नारे को सुनकर सपा चारों खाने चित हो गई है। सपा कुल 63 सीट पर चुनाव लड़ रही। इन सभी सीट पर इनकी जमानत जब्त होने वाली है, इसलिए दो लड़कों (सपा व कांग्रेस) का गठबंधन 'इंडिया' षड्यंत्र और गुमराह कर झूठ-अफवाह फैला रहा है। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने मंगलवार को श्रावस्ती लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार साकेत मिश्र और गैसड़ी विधानसभा उपचुनाव के प्रत्याशी शैलेश कुमार सिंह शैलू के लिए बलरामपुर में, डुमरियागंज से निवर्तमान सांसद एवं प्रत्याशी जगदंबिका पाल के लिए सिद्धार्थनगर में और निवर्तमान सांसद एवं पार्टी के प्रत्याशी हरीश द्विवेदी के लिए बस्ती में अलग-अलग जनसभाओं को संबोधित किया। योगी ने कहा कि 'इंडिया' जनता को जाति और धर्म में बांटकर देश को लूटना चाहता है। गैसड़ी विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा में योगी ने कहा, भाजपा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जनता जनार्दन की सेवा कर रही है। हम भेदभाव नहीं करते बल्कि 'सबका साथ, सबका विकास' के भाव के साथ काम कर रहे हैं।

वहीं, विपक्षी दलों का गठबंधन 'इंडिया' जनता को जाति और धर्म में बांटकर देश को लूटना चाहता है, जिसे हम होने नहीं देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, जनता भी उनके मंसूबों को जान गई है इसलिए वह एक स्वर में कह रही है कि 'एक बार फिर मोदी सरकार और अब की बार 400 पार। जनता इन्हें जवाब दे रही है कि 'जो राम को लाए हैं हम उन्हें लाएंगे'। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा और कांग्रेस गठबंधन के लोग ''राम विरोधी, देश विरोधी और गरीब विरोधी'' हैं और वे अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ी जाति के लोगों के ''हक पर सेंधमारी का कुत्सित प्रयास'' कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता पार्टी के संविधान की रक्षा करने में ही 'विफल' रहे : सीतारमण

पटना/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस झूठ फैला रही है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) फिर से सत्ता में आने के बाद संविधान को बदल देगा और दावा किया कि एक ही परिवार को बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस अपनी ही पार्टी के संविधान की रक्षा करने में ''विफल'' रही।

पटना में मंगलवार को संवाददाताओं से सीतारमण ने कहा, कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता झूठ फैला रहे हैं कि राजग सत्ता में आने के बाद संविधान को बदल देगा। वे ऐसी बात कैसे कह सकते हैं, जब कांग्रेस नेता अपनी ही पार्टी के संविधान की रक्षा करने में विफल रहे। उन्होंने कहा, उन्हें यह याद होना चाहिए कि कैसे पार्टी में सोनिया गांधी के उत्थान में किसी भी बाधा को रोकने के लिए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सीताराम केसरी को एक कमरे में बंद कर दिया गया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राजद और कांग्रेस अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण को छीनकर इसे मुसलमानों को देने की कोशिश कर रहे हैं। सीतारमण ने कहा, वे केवल मुसलमानों को फायदा पहुंचाने के लिए धर्म के आधार पर आरक्षण देना चाहते हैं, जो संविधान के खिलाफ है। कांग्रेस और राजद एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण छीनकर इसे मुसलमानों को देने की कोशिश कर रहे हैं। कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी पहले ही ऐसा कर चुकी है। उन्होंने कहा, जब कांग्रेस सत्ता में थी, तो उसने बाबा साहेब आंबेडकर को कभी उचित सम्मान नहीं दिया। उन्हें 1990 में भारत रत्न दिया गया था। वे संविधान या बाबा साहब के बारे में बोलने के लायक नहीं हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी ने समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए और देश के समग्र विकास के लिए कई कदम उठाए हैं।

बिहार के सारण में चुनाव बाद हिंसा में एक व्यक्ति की मौत, तीन अन्य घायल

छपरा/भाषा। बिहार के सारण जिले में मंगलवार सुबह चुनाव बाद हुई हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि हिंसा में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि हिंसा की यह घटना भिखारी ठाकुर चौक के पास बड़ा तेलमा इलाके में हुई। अधिकारी ने बताया कि इलाके में सोमवार को हुए मतदान के दौरान अनियमितताओं के आरोपों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कथित समर्थकों के दो समूहों के बीच विवाद हो गया और इस दौरान गोलियां भी चलीं। उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान चंदन यादव (25) के रूप में हुई है। पुलिस अधीक्षक गौरव मंगला ने बताया, घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया और बाद में उनमें से दो को बेहतर इलाज के लिए पटना स्थानांतरित कर दिया गया। उन्होंने बताया, मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। हिंसा की इस घटना के सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया।

लोकसभा चुनाव के पांच चरण के बाद भाजपा 310 सीट जीत चुकी है : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संबलपुर/क्योंझर (ओडिशा)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा चुनाव के पांच चरण पूरे होने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 310 सीट मिलने का दावा करते हुए मंगलवार को ओडिशा के लोगों से अपील की कि वे राज्य को ''बाबू-राज'' से आजाद कराएं और भाजपा को केंद्र एवं राज्य दोनों में सरकार बनाने के लिए समर्थन दें। शाह ने संबलपुर में दो चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि इस बार ओडिशा में कमल (भाजपा का चुनाव चिह्न) खिलेगा।

संबलपुर सीट से भाजपा ने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को मैदान में उतारा है। उन्होंने कहा, पांचवें चरण के मतदान के बाद भाजपा को 310 सीट पहले ही मिल चुकी हैं। छठे और सातवें दौर के मतदान के बाद हम 400 से अधिक सीट हासिल कर लेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में ''मुट्ठी भर अधिकारियों'' का शासन है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव राज्य में मौजूदा ''बाबू राज'' को समाप्त कर देगा। उन्होंने आरोप लगाया कि देश की ज्यादातर खदानें और खनिज भंडार क्योंझर जिले में स्थित होने के बावजूद यहां के आदिवासियों को कोई लाभ नहीं मिला है। शाह ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह सुनिश्चित किया है कि देश भर में कोई आतंकवाद न हो। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, पीओके (पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर) भारत का था और यह हमारे पास रहेगा।

पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री से संबित पात्रा को पार्टी से निष्कासित करने की मांग की

भुवनेश्वर/भाषा। कांग्रेस ने ओडिशा की पुरी लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार संबित पात्रा द्वारा भगवान जगन्नाथ को लेकर की गई टिप्पणी के लिए मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से माफी की मांग की। पात्रा ने सोमवार को टेलीविजन चैनलों से बातचीत में कहा था कि राज्य के परम पूजनीय देवता ''भगवान जगन्नाथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भक्त हैं। पात्रा ने बाद में स्पष्ट किया था कि यह सिर्फ जुबान फिसलने के कारण हुआ और वह यह कहना चाहते थे कि प्रधानमंत्री भगवान जगन्नाथ के परम 'भक्त' हैं।

पुरी के जगन्नाथ मंदिर के बाहर मंगलवार को संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा, अगर संबित पात्रा कांग्रेस में होते तो उन्हें भगवान जगन्नाथ के करोड़ों भक्तों की आस्था से खेलने के लिए तुरंत पार्टी से निष्कासित कर दिया जाता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संबित पात्रा को पार्टी से निष्कासित करना चाहिए।

राजनाथ का राहुल पर निशाना

क्या दुश्मन से तारीफ पाने वाले नेता को सरकार बनाने की अनुमति मिलनी चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बोकारो/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि क्या ऐसे नेता को सरकार बनाने का मौका देना चाहिए, जिसकी प्रशंसा एक 'दुश्मन' कर रहा हो। वह पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाद हुसैन चौधरी के राहुल गांधी की प्रशंसा में दिए गए बयान का जिक्र कर रहे थे।

झारखंड के बोकारो में चुनावी रैली को संबोधित करते राजनाथ ने कहा कहा, पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाद हुसैन चौधरी ने कहा है कि पुलवामा और उरी हमलों में पाकिस्तानी आतंकवादी शामिल थे। यही फवाद हुसैन प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ नहीं करते, बल्कि राहुल गांधी की प्रशंसा कर रहे हैं। मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि क्या ऐसे नेता का सम्मान होना चाहिए, जिसकी तारीफ दुश्मन करें। क्या उन्हें सरकार बनाने की अनुमति मिलनी चाहिए? वह देश को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं? मैं आपसे देश को बचाने की अपील करता हूं। पाक में इमरान खान सरकार में मंत्री रहे फवाद ने 'एक्स' पर राहुल गांधी का वीडियो साझा करते हुए लिखा था, राहुल ऑन फायर''।

कांग्रेस और भाजपा दोनों की नीयत और सोच आरक्षण के खिलाफ : मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जौनपुर (उप्र)/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने मंगलवार को कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर समान रूप से हमला करते हुए उन्हें दलित और पिछड़ा विरोधी करार दिया और कहा कि दोनों की नीयत तथा सोच आरक्षण के खिलाफ है। बसपा प्रमुख मायावती ने यहां पार्टी उम्मीदवार एवं स्थानीय सांसद श्याम सिंह यादव के समर्थन में आयोजित एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, केंद्र में जब कांग्रेस की पहली सरकार बनी तो बाबा साहेब कानून मंत्री थे, तो उस समय बाबा साहेब ने कांग्रेस मुखिया पंडित जवाहर लाल नेहरू से कहा था कि संविधान के तहत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग को सरकारी नौकरियों में आरक्षण मिल सके इसके लिए सरकार को सख्त कदम उठाना चाहिए।

मायावती ने कहा, बाबा साहेब ने यह भी कहा कि संविधान में हमने अनुच्छेद 340 की व्यवस्था की है, जिसके तहत इस देश में एससी-एसटी की तरह अति पिछड़े वर्ग के लोग हैं, जिनकी सामाजिक और शैक्षणिक स्थित दयनीय है। बसपा प्रमुख ने दावा किया, बाबा साहेब ने प्रधानमंत्री नेहरू से अति पिछड़े वर्ग को आरक्षण की सुविधा देने की बात करते हुए कहा था कि आपको अनुच्छेद 340 के तहत आयोग बिठाकर इनको आरक्षण देना चाहिए, लेकिन कांग्रेस की सरकार ने बाबा साहेब आंबेडकर की बात को नहीं माना जिससे दुखी होकर उन्होंने कानून मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया। मायावती ने कहा, आज कांग्रेस पार्टी के लोग कहते हैं कि हम आरक्षण, संविधान के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन इनके पुरखों ने संविधान के खिलाफ जाकर काम किया और आरक्षण का पूरा लाभ आप लोगों (दलितों-पिछड़ों) को नहीं दिया और आयोग गठित नहीं किया। उन्होंने कहा, वोट की खातिर आज उनके लोग, अनुयायी आरक्षण को लेकर बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं। इस मामले में भाजपा भी कोई पीछे नहीं है। इन सभी दलों की नीयत और सोच आरक्षण के खिलाफ है। कांग्रेस को दलित पिछड़ा विरोधी करार देते हुए उन्होंने कहा कि इस वजह से ही फिर हमें बसपा बनाने की जरूरत पड़ी। यदि कांग्रेस ने शुरू में अपनी जिम्मेदारी निष्ठा से निभाया होती तो हमें बसपा बनाने की जरूरत नहीं पड़ती।

मायावती ने दावा किया, जैसे गलत नीतियों के कारण लंबे समय तक राज करने वाली कांग्रेस देश और राज्यों में सत्ता से बाहर हो गई, उसी तरह भाजपा भी सत्ता से बाहर हो जाएगी बशर्ते निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव हो और वोटिंग मशीन में कोई गड़बड़ी न हो। भाजपा और आरएसएस पर मुस्लिम समाज का शोषण और उत्पीड़न करने का आरोप लगाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी पार्टी सत्ता में आयी तो इसे रोका जाएगा। उन्होंने जौनपुर उम्मीदवार के अलावा, मछलीशहर (सुरक्षित) से पार्टी उम्मीदवार कृपाशंकर सरोज, वाराणसी से अतहर जमाल लारी, चंदौली से सत्येंद्र कुमार मौर्य, बलिया से लल्लन सिंह यादव, गाजीपुर से डॉ. उमेश कुमार सिंह के पक्ष में जनता से मतदान की अपील की। जौनपुर में मतदान 25 मई को होने हैं।

प्रधानमंत्री मोदी 'आदिवासी विरोधी, आप' व झामुमो को खत्म करने की साजिश : केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जमशेदपुर (झारखंड)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'आदिवासी विरोधी' बताते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवल ने मंगलवार को उन पर आम आदमी पार्टी (आप) और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की चुनी हुई सरकारों को गिराने की साजिश रचने का आरोप लगाया।

केजरीवाल ने मोदी पर देश के सबसे बड़े आदिवासी नेता को जेल में डालने का भी आरोप लगाया। केजरीवाल ने भगवान जगन्नाथ मोदी के भक्त हैं वाली टिप्पणी के लिए भाजपा और उसके प्रवक्ता संबित पात्रा पर भी तीखा हमला किया और लोगों से उनके अहंकार को कुचलने का आग्रह किया।

यहां एक रैली को संबोधित करते हुए 'आप' प्रमुख केजरीवाल ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने 'आप' और झामुमो को खत्म करने की साजिश रची, लेकिन हम मजबूत हुए और वह दिल्ली, पंजाब और झारखंड सरकार को नहीं गिरा सके। केजरीवाल ने आरोप लगाया, प्रधानमंत्री ने मुझे जेल में रखने के लिए पूरी ताकत लगा दी लेकिन मैं बजरंगबली का भक्त हूं और चमत्कार हो गया। मैं जमानत पर हूं... जल्द ही हेमंत सोरेन, जिन्हें उन्होंने (मोदी ने) जेल में बंद कर रखा है, बाहर आ जाएंगे... सोरेन की पत्नी कल्पना 'झांसी की रानी' की तरह मोदी को चुनौती दे रही हैं। किसी भी अदालत ने हेमंत सोरेन या अरविंद केजरीवाल को दोषी नहीं पाया है। उन्होंने आरोप लगाया, प्रधानमंत्री मोदी आदिवासियों से नफरत करते हैं।

पेशेवर खेल में आपको कोई उम्र संबंधी छूट नहीं मिलती : धोनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। करिश्माई विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी ने कहा कि उनके पास कड़ी मेहनत करते रहने और फिट रहने के अलावा कोई विकल्प नहीं है क्योंकि पेशेवर खेलों में किसी को उम्र संबंधी कोई छूट नहीं मिलती है।

भारत और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान 43 साल के करीब पहुंचने के बाद बावजूद फिटनेस के मामले में शानदार है। उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग के इस सत्र में छक्के मारने की क्षमता को बरकरार रखते हुए प्रभावित किया। इस सत्र की शुरुआत में रुतुराज गायकवाड़ को चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी सौंपने वाले धोनी ने आईपीएल लीग चरण के सभी 14 मैच खेले और निचले क्रम पर अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से काफी प्रभाव छोड़ा।

विश्व कप विजेता कप्तान ने 220.55 की शानदार स्ट्राइक रेट से 161 रन बनाए। इससे कई लोगों को यह विश्वास हो गया कि वह आईपीएल में दो और साल खेल सकते हैं। इस महान खिलाड़ी ने यह स्वीकार किया कि लीग से पहले कोई क्रिकेट खेले बिना सीधे आईपीएल आकर प्रदर्शन करना कठिन है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में धोनी ने कहा, सबसे मुश्किल बात यह है कि मैं पूरे साल क्रिकेट नहीं खेल रहा हूं। इसलिए मुझे फिट रहना होता है। जब यहां पहुंचता हूं तो आप उन युवाओं के खिलाफ प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं जो फिट हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे हैं। पेशेवर खेल आसान नहीं है, कोई भी आपको उम्र के हिसाब से छूट नहीं देता। धोनी ने 'दुबई आई 103.8 यूट्यूब चैनल' पर पोस्ट वीडियो में कहा, अगर आप खेलना चाहते हैं, तो आपको अन्य लोगों की तरह फिट रहना होगा।

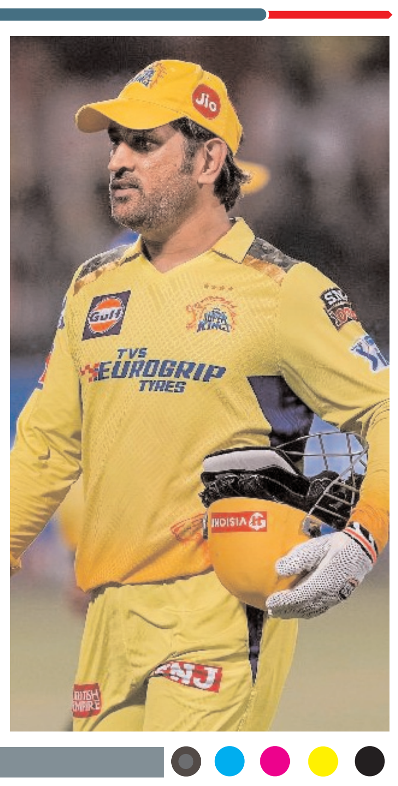

भाजपा जलपाईगुड़ी में रामकृष्ण मिशन पर हमले को लेकर टीएमसी को फंसा रही : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अशोकनगर (पश्चिम बंगाल)/भाषा। जलपाईगुड़ी जिले में रामकृष्ण मिशन परिसर में तोड़फोड़ की घटना में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के शामिल होने के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आरोपों पर कड़ा रुख अपनाते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भाजपा संपत्ति विवाद के कारण हुई घटना में उनकी पार्टी को फंसाने के लिए झूठ बोल रही है।

बारासात लोकसभा सीट से टीएमसी उम्मीदवार काकोली घोष दस्तीदार के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि वह हमेशा से रामकृष्ण मिशन और अन्य सामाजिक-धार्मिक संगठनों की समर्थक रही हैं। बनर्जी ने दावा किया कि उन्होंने कोलकाता में सिस्टर निवेदिता के आवास और स्वामी विवेकानन्द के जन्मस्थान का जीर्णोद्धार कराया। उन्होंने कहा कि वह धर्मों के बीच भेदभाव नहीं करतीं और सभी धर्मों के उपासना स्थलों के नवीनीकरण के लिए काम करती हैं। बनर्जी ने कहा, हमारी पार्टी के खिलाफ गलत सूचना फैलाकर मुझे और मेरी पार्टी को बदनाम करने के लिए मैं मानहानि का मुकदमा दायर कर सकती हूं। अगर राज्य में कुछ भी होता है, तो एक प्रशासक के रूप में रिपोर्ट तुरंत मेरे पास आती है। मुझे ऐसी कोई जानकारी नहीं मिली। हम रामकृष्ण मिशन जैसे अन्य धार्मिक संगठनों का बहुत सम्मान करते हैं।

रामकृष्ण मिशन के एक पदाधिकारी ने सोमवार को कहा कि उपद्रवियों ने जलपाईगुड़ी जिले में रामकृष्ण मिशन के परिसर में तोड़फोड़ की और हथियारों का भय दिखाकर संतों और अन्य कर्मचारियों को जगह छोड़ने की धमकी दी। उन्होंने बताया कि रविवार सुबह हुई इस घटना के पीछे एक स्थानीय भू-माफिया का हाथ है।

सुविचार

जो हो गया उसे सोचा नहीं करते, जो मिल गया उसे खोया नहीं करते, हासिल उन्हें होती है सफलता, जो वक़्त और हालातपर रोया नहीं करते।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रचनात्मक ढंग से समाधान

पहाड़ी इलाकों में उपयोग के बाद छोड़ा गया प्लास्टिक पर्यावरण के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन ने पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए केदारनाथ धाम को प्लास्टिक-मुक्त बनाने की जो मुहिम शुरू की है, उससे सबको प्रेरणा लेनी चाहिए। प्रशासन ने यात्रा के मार्ग पर प्लास्टिक की बोतलें इकट्ठी करने के लिए दो वेंडिंग मशीनें लगा दीं और यात्रियों को बोतलें जमा कराने पर आर्थिक प्रोत्साहन देना शुरू कर दिया। इसके तहत यात्री क्यूआर कोड युक्त प्लास्टिक बोतल जमा करवाकर 10 रुपए वापस प्राप्त कर सकते हैं। यह राशि डिजिटल माध्यम से बैंक खाते में भेज दी जाती है। इस तरह डिजिटल पेमेंट को भी बढ़ावा मिल रहा है। देश में कई समस्याओं का समाधान इसी तरह रचनात्मक ढंग से किया जा सकता है। कुछ समस्याएं तो ऐसी हैं, जिनका समाधान करने के लिए सरकारों ने दंडात्मक प्रावधान लागू किए, लेकिन नतीजा 'ढाक के तीन पात' जैसा ही रहा। नियम-कानूनों का उद्देश्य एक आदर्श समाज का निर्माण करना भी होना चाहिए। बेशक जो व्यक्ति जानबूझकर बार-बार नियम तोड़े, देश को नुकसान पहुंचाए, अपनी और दूसरों की जान जोखिम में डाले, उसके साथ सख्ती बरतनी ही होगी, लेकिन जो व्यक्ति नियमों का पालन करे, जिसकी मंशा किसी को नुकसान पहुंचाने की न हो, जो देश के उत्थान में योगदान देना चाहे, उसे प्रोत्साहन मिलना ही चाहिए। यह अपने नागरिकों में किया गया एक तरह का निवेश है, जो कई तरह के फायदों के रूप में लौटकर जरूर आएगा।

उदाहरण के लिए, जो व्यक्ति यातायात के नियमों का पालन करे, बिजली-पानी आदि के बिल समय पर जमा कराए, जो टिकट लेकर ट्रेनों-बसों में यात्रा करे, जो आपराधिक गतिविधियों से दूर रहे, जो आयकर समेत सभी कर ईमानदारी से चुकाए, जो डिजिटल पेमेंट को प्राथमिकता दे, जो स्वच्छता को बढ़ावा दे, उसे और उसके परिवार को सरकार की ओर से प्रोत्साहन जरूर मिलना चाहिए। उसे कई तरह के शुल्क में रियायत मिले, बैंक व डाकघर में जमा पर ज्यादा ब्याज मिले। अगर वह ऋण ले तो उसमें छूट मिले। उसे रसोई गैस, पेट्रोल-डीजल की कीमतों में रियायत दी जाए। उसके बच्चों को भी सरकारी नौकरी में कुछ सहूलियत मिले। जब लोगों को यह लगेगा कि नियमों का पालन करना किसी बाध्यता का नाम नहीं है, बल्कि इसके ढेरों फायदे हैं, तो वे खुद आगे बढ़कर नियमों का पालन करेंगे। इन दिनों वायु प्रदूषण को लेकर दुनियाभर के विशेषज्ञ चिंतित हैं। पौधे लगाने पर जोर दिया जा रहा है। हर कोई जानता है कि आज के पौधे भविष्य में पेड़ बनकर वायु को निर्मल बनाएंगे, लेकिन कितने लोग पौधे लगाते हैं और उनमें से कितने हैं, जो लगाए गए पौधों की संभाल करते हैं? इसका रचनात्मक समाधान यह हो सकता है कि पौधे लगाने को विद्यार्थियों की अंकतालिका से जोड़ दिया जाए। जो विद्यार्थी अपने स्कूल के प्रांगण या घर में खाली जगह पर कम से कम दो छायादार/फलदार पौधे लगाए, उन्हें समय-समय पर खाद-पानी दे और उनका पूरा ध्यान रखे तो उसे अंकों में लाभ मिलना चाहिए। ऐसे पौधों का निरीक्षण किया जाए। कृषि वैज्ञानिक और प्रशासनिक अधिकारी भी वहां जाएं। वे अपने सुझाव दें। वे पौधों और विद्यार्थियों के साथ सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करें। ऐसी तस्वीरों का रिकॉर्ड रखा जाए। उनकी एक वेबसाइट बनाकर विद्यार्थियों के प्रयासों और पौधे लगाने के अनुभवों को साझा किया जाए। आप देखेंगे कि इस प्रयास से एक दशक में ही देश बहुत हरा-भरा हो जाएगा। बस, लोगों को प्रोत्साहन देने और आधुनिक तकनीक का रचनात्मक ढंग से उपयोग करने की जरूरत है। सरकारों को इस दिशा में कदम उठाना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

दस साल में करीब-करीब 400 सांसदों का समर्थन हमारे साथ रहा है। मोदी ने इसका उपयोग गरीब, दलित, पिछड़े, वंचितों को सशक्त करने के लिए किया है। हमारे देश की आदिवासी बेटी को संविधान के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति पद पर बिठाया है।

-दीया कुमारी

महान पर्यावरण चिंतक एवं चिपको आंदोलन के प्रणेता, पद्म विभूषण से अलंकृत सुंदरलाल बहुगुणा जी की पुण्यतिथि पर सादर नमन। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र उनका योगदान युगों-युगों तक स्मरण किया जाएगा।

-राज्यवर्धन सिंह राठौड़

स्व. श्री राजीव गांधी जी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं। कंप्यूटर एवं दूरसंचार क्रांति, पंचायतीराज व्यवस्था का सशक्तिकरण, राजनीति में युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने जैसे अद्वितीय, ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय कार्य राजीव गांधी जी द्वारा किए गए।

-सचिन पायलट

प्रेरक प्रसंग

पीड़ितों की सेवा

अफ्रीका में जोसेफ डोक नामक एक अंग्रेज पादरी गांधीजी के चरित्र, व्यक्तित्व व उच्च आदर्शों से अत्यधिक प्रभावित हुए। वे भारतीय धर्म और अध्यात्म पर गहन निष्ठा रखने लगे। आगे चलकर वे भारतीय स्वाधीनता संग्राम को भी न्यायोचित समझने लगे और उसका समर्थन करने लगे। उनकी यह उदारता उनके जाति-बंधुओं को सहन नहीं हुई और वे उन्हें तरह-तरह से परेशान करने लगे। गांधी जी को यह ज्ञात हुआ, तो वे पादरी जोसेफ डोक से बोले, 'आप हमारे लिए क्यों कष्ट उठाते हैं? यह तो हमारी लड़ाई है।' इस पर डोक ने हृदयस्पर्शी उत्तर दिया, 'आपने ही तो कहा था कि पीड़ितों की सेवा करना, उन पर अहसान करना नहीं है। वही तो मैं कर रहा हूं।' अन्यायी चाहे जो हो, उसका प्रतिकार तो करना ही चाहिए।

सामयिक

सन्दर्भः दीक्षा की स्वर्ण जयन्ती

आचार्य महाश्रमणः अभिनव आध्यात्मिक क्रांति के प्रेरक

ललित गर्ग
मो. 9811051133

भारत की भूमि पर अनेक महापुरुषों ने जन्म लेकर इस धरा का गौरव बढ़ाया, उसी आलोकधर्मी परंपरा का विस्तार है आचार्य महाश्रमण। महावीर, बुद्ध, गांधी, आचार्य भिक्षु, आचार्य तुलसी और आचार्य महाप्रज्ञ की इस परम्परा को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने स्वयं को ऊपर उठाया, महनीय एवं कठोर साधना की, अनुभव प्राप्त किया और अपने अनुभव वैभव के आधार पर दुनिया को शांति, अहिंसा, प्रेम, सौहार्द, अयुद्ध एवं वसुधैव कुटुम्बकम का सन्देश दिया। अतीत की धुंधली होती आध्यात्मिक परंपरा को आचार्य महाश्रमण एक नई दृष्टि प्रदान की हैं। यह नई दृष्टि एक नए मनुष्य का, एक नए जगत का, एक नए युग का सूत्रपात कही जा सकती है। विशेषतः उनकी विनम्रता और समर्पणभाव उनकी आध्यात्मिकता को ऊंचाई प्रदत्त रह रहे हैं। भगवान राम के प्रति हनुमान की जैसी भक्ति और समर्पण रहा है, वैसा ही समर्पण आचार्य महाश्रमण का अपने गुरु आचार्य तुलसी और आचार्य महाप्रज्ञ के प्रति रहा है। 22 मई 2024 यानी वैशाख शुक्ला चौदस को आचार्य श्री महाश्रमण की दीक्षा का स्वर्ण जयन्ती समारोह राष्ट्रव्यापी स्तर पर मनाया जा रहा है।

आचार्य महाश्रमण निरुपाधिक व्यक्तित्व का परिचायक बन गया और इस वैशिष्ट्य का राज है उनका प्रबल पुरुषार्थ, उनका समर्पण, अटल संकल्प, अखंड विश्वास और ध्येय निष्ठा। एमर्सन ने सटीक कहा है कि 'जब प्रकृति को कोई महान कार्य सम्पन्न कराना होता है तो वह उसको करने के लिये एक प्रतिभा का निर्माण करती है।' निश्चित ही आचार्य महाश्रमण भी किसी महान कार्य की निष्पत्ति के लिये ही बने हैं। ऐसे ही अनेकानेक महान कार्यों उनके जीवन से जुड़े हैं, उनमें एक विशिष्ट उपक्रम बना था अहिंसा यात्रा। आचार्य महाश्रमण ने अपनी आठ वर्षीय इस ऐतिहासिक, अविस्मरणीय एवं विलक्षण यात्रा में उन्नीस राज्यों एवं भारत सहित तीन पड़ोसी देशों की करीब सत्तर हजार किलोमीटर की पदयात्रा करते हुए अहिंसा और शांति का पैगाम फैलाया। करीब एक करोड़ लोगों को नशामुक्ति का संकल्प दिलाया। नेपाल में भूकम्प, कोरोना की विषम परिस्थितियों में इस यात्रा का नक्सलवादी एवं माओवादी क्षेत्रों में पहुंचना आचार्य महाश्रमण के दृढ़ संकल्प, मजबूत मनोबल एवं आत्मबल का परिचायक बना था। आचार्य महाश्रमण का देश के सुदूर क्षेत्रों-नेपाल एवं भूटान जैसे पडौसी राष्ट्रों सहित आसाम, बंगाल, बिहार, मध्यप्रदेश, उड़ीसा, कर्नाटक, तमिलनाडू, महाराष्ट्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़ आदि में अहिंसा यात्रा करना और उसमें अहिंसा पर विशेष जोर दिया जाना अहिंसा की स्थापना के लिये सार्थक सिद्ध हुआ है। क्योंकि आज देश एवं दुनिया हिंसा एवं युद्ध के महाप्रलय से भयभीत और आतंकित है। जातीय उन्माद, सांप्रदायिक विद्वेष और जीवन की प्राथमिक आवश्यकताओं का अभाव- ऐसे कारण हैं जो हिंसा को बढ़ावा दे रहे हैं और इन्हीं कारणों को नियंत्रित करने के लिए आचार्य महाश्रमण अहिंसा यात्रा के विशिष्ट अभियान के माध्यम से प्रयत्नशील बने थे।

भारत की माटी में पदयात्राओं का अनूठा इतिहास रहा है। असत्य पर सत्य की विजय हेतु मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम द्वारा की हुई लंका की ऐतिहासिक यात्रा हो अथवा एक मुट्ठी भर नमक से पूरा ब्रिटिश साम्राज्य हिला देने वाला 1930 का डाण्डी कूच, बाबा आमटे की भारत जोड़ो यात्रा हो अथवा राष्ट्रीय अखण्डता, साम्प्रदायिक सद्भाव और अन्तर्राष्ट्रीय भ्रातृत्व भाव से समर्पित एकता यात्रा, यात्रा के महत्व को अस्वीकार नहीं किया जा सकता। भारतीय जीवन में पैदल यात्रा को जन-सम्पर्क का सशक्त माध्यम स्वीकारा गया है। ये पैदल यात्राएं सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनैतिक यथार्थ से सीधा साक्षात्कार करती हैं। लोक चेतना को उद्बुद्ध कर उसे युगानुकूल मोड़ देती हैं। भगवान महावीर ने अपने जीवनकाल में अनेक प्रदेशों में विहार कर वहां के जनमानस में अध्यात्म के बीज बोये थे। लेकिन इन यात्राओं की श्रृंखला में आचार्य श्री महाश्रमण ने नये स्तस्तिक उकेरे हैं। समस्त पूर्वाचार्यों से एक विशेष कालखंड में सर्वाधिक लम्बी पदयात्रा करने के फलस्वरूप आचार्य श्री महाश्रमण को पांव-पांव चलने वाला सूरज संज्ञा से अभिहित किया जाने लगा है।

आचार्य महाश्रमण का बारह वर्ष के मुनि के रूप में लाडनूं में मेरा प्रथम साक्षात्कार मेरे बचपन की एक विलक्षण और यादगार घटना रही है। लेकिन उसके साढ़े चार दशक बाद उनके गहन विचारों से मेरा परिचय और भी विलक्षण घटना है क्योंकि उनके विचारों से मेरी मन-वीणा के तार झंकृत हुए। जीवन के छोटे-छोटे मसलों पर जब वे अपनी पारदर्शी नजर की रोशनी डालते हैं तो यूं लगता है जैसे कुहासे से भरी हुई राह पर सूरज की किरणें फैल गई। मन की बदलियां दूर हो जाती हैं और निरभ्र आकाश उदित हो गया है। आचार्य महाश्रमण का मानना है कि जिस राष्ट्र ने अपनी संस्कृति को भुला दिया, वह राष्ट्र वास्तव में एक जीवित और जागृत राष्ट्र नहीं हो सकता। उनकी दृष्टि में भारतीय संस्कृति का अर्थ है- ऊंची संस्कृति, त्याग की संस्कृति, संयम की संस्कृति और अध्यात्म की संस्कृति है। वे भारतीय संस्कृति की गरिमा से अभिभूत हैं, अतः देशवासियों को अनेक बार भारत के विराट सांस्कृतिक मूल्यों को अवगति देते रहते हैं। बड़ी अपेक्षा यह है कि भारत अपना मूल्यांकन करना सीखे और खोई प्रतिष्ठा को पुनः अर्जित करे। इसी व्यापक एवं गहन चिंतन के आधार पर उनका विश्वास है कि सही अर्थ में अगर कोई संसार का प्रतिनिधित्व कर सकता है तो भारत ही कर सकता है, क्योंकि भारत की आत्मा में आज भी अहिंसा की प्राणप्रतिष्ठा है। मैं मानता हूं कि यदि भारत आध्यात्मिकता को विस्मृत कर देगा तो अपनी मौत मरेगा।

आचार्य श्री महाश्रमण का चिंतन है कि भारतीय संस्कृति सबसे प्राचीन ही नहीं, समृद्ध और जीवंत भी है, अतः किसी भी राष्ट्रीय समस्या का हल हमें अपने सांस्कृतिक तत्वों के द्वारा ही करना चाहिए, अन्यथा मानसिक दासता हमें अपनी संस्कृति के प्रति उतनी गौरवशील नहीं रहने देगी। भारत में सांस्कृतिक एकता बनी रही, इसका कारण बताते हुए राष्ट्रकवि दिनकर ने कहा- बाहर से आने वाली अन्य संस्कृतियों को भी भारतीय संस्कृति ने अपनी समन्वय शक्ति के बल पर आत्मसात कर लिया, इसलिए उसका प्रवाह बना रहा।'' उसी भारतीय संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में आचार्य श्री महाश्रमण के वार्तमानिक अनुभव प्रेरणादायी, सटीक एवं मार्मिक बन पड़े हैं। भारत कर्मभूमि है, भोगभूमि नहीं। यहां जो सभ्यता विकसित हुई, वह दुनिया में किसी से पराजित नहीं होगी। यदि हमने पश्चिमी सभ्यता की नकल करने की कोशिश की तो हम बरबाद हो जायेंगे। इसका मतलब यह नहीं है कि उसमें जो अच्छा है और जिसे हम हजम कर सकते हैं, उसे अंगीकार न करें। अचेतन के संबंध में समझने के लिए मैंने आचार्य महाश्रमण को पढ़ना शुरू किया। आचार्य महाश्रमण जिस प्रकार से अचेतन और उसके प्रतिबिम्बों के संबंध में समझाते हैं, बाते गहरे बैठ जाती है।

स्वल्प आचार्य शासना में आचार्य महाश्रमण ने मानव चेतना के विकास के हर पहलू को उजागर किया। कृष्ण, महावीर, बुद्ध, जीसस के साथ ही साथ भारतीय अध्यात्म आकाश के अनेक संतों-आदि शंकराचार्य, कबीर, नानक, रैदास, मीरा आदि की परंपरा से ऐसे जीवन मूल्यों को चुन-चुनकर युग की त्रासदी एवं उसकी चुनौतियों को समाहित करने का अनूठा कार्य उन्होंने किया। जीवन का ऐसा कोई भी आयाम नहीं है जो उनके प्रवचनों-विचारों से अस्पर्शित रहा हो। योग, तंत्र, मंत्र, यंत्र, साधना, ध्यान आदि के गूढ़ रहस्यों पर उन्होंने सविस्तार प्रकाश डाला है। साथ ही राजनीति, कला, विज्ञान, मनोविज्ञान, दर्शन, शिक्षा, परिवार, समाज, गरीबी, जनसंख्या विस्फोट, पर्यावरण, हिंसा, जातीयता, भ्रष्टाचार, राजनीतिक अपराधीकरण, भ्रूणहत्या और महंगाई के विश्व संकट जैसे अनेक विषयों पर भी अपनी क्रांतिकारी जीवन-दृष्टि प्रदत्त की है। जब उनकी उत्तराध्ययन और श्रीमद भगवद गीता पर आधारित प्रवचन शृंखला सामने आई, उसने आध्यात्मिक जगत में एक अभिनव क्रांति का सूत्रपात किया है। एक जैनाचार्य द्वारा उत्तराध्ययन की भांति सनातन परम्परा के श्रद्धास्पद ग्रंथ गीता की भी अधिकार के साथ सटीक व्याख्या करना न केवल आश्चर्यजनक है बल्कि प्रेरक भी है। इसीलिये तो आचार्य महाश्रमण मानवता के मसीहा के रूप में जन-जन के बीच लोकप्रिय एवं आदरास्पद है। वे एक ऐसे संत हैं, जिनके लिये पंथ और ग्रंथ का भेद बाधक नहीं बनता। आपके कार्यक्रम, विचार एवं प्रवचन सर्वजनहिताय होते हैं। हर जाति, वर्ग, क्षेत्र और सम्प्रदाय की जनता आपके जीवन-दर्शन एवं व्यक्तित्व से लाभान्वित होती रही है।

नजरिया

बेहद जरूरी है संकटग्रस्त जैव प्रजातियों का संरक्षण

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9034304041.

जीव-जंतु तथा पेड़-पौधे भी मनुष्यों की ही भांति ही धरती के अभिन्न अंग हैं लेकिन मनुष्य ने अपने निहित स्वार्थों तथा विकास के नाम पर न केवल वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों को बेदर्दी से उजाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है बल्कि वनस्पतियों का भी तेजी से सफाया किया है। धरती पर अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए मनुष्य को प्रकृति प्रदत्त उन सभी चीजों का आपसी संतुलन बनाए रखने की जरूरत होती है, जो उसे प्राकृतिक रूप से मिलती हैं। इसी को पारिस्थितिकी तंत्र या इकोसिस्टम भी कहा जाता है लेकिन चिंतनीय स्थिति यह है कि धरती पर अब वन्य जीवों तथा दुर्लभ वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों का जीवनचक्र संकट में है। वन्यजीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनियाभर में जीवों की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है, वहीं हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। यही स्थिति वनस्पतियों के मामले में भी है।

वन्य जीव-जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं। वन्य जीवन में ऐसी वनस्पति और जीव-जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन-पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। आज मानवीय क्रियाकलापों तथा अतिक्रमण के अलावा प्रदूषण वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण भी दुनियाभर में जीव-जंतुओं तथा वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर दुनियाभर में संकट के बादल मंडरा रहे हैं। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित अपनी पुस्तक प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह उल्लेख किया है कि विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण किस प्रकार असंतुलित होता है। दरअसल विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण जिस प्रकार असंतुलित हो रहा है, वह पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बना है। पर्यावरण के इसी असंतुलन का परिणाम पूरी दुनिया पिछले कुछ दशकों से गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में देख और भुगत भी रही है।

लगभग हर देश में कुछ ऐसे जीव-जंतु और पेड़-पौधे पाए जाते हैं, जो उस देश की जलवायु की विशेष पहचान होते हैं लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई तथा अन्य मानवीय गतिविधियों के चलते जीव-जंतुओं के आशियाने लगातार बड़े पैमाने पर उजड़ रहे हैं, वहीं वनस्पतियों की कई प्रजातियों का भी अस्तित्व मिट रहा है। हालांकि जीव-जंतुओं तथा पेड़-पौधों की विविधता से ही पृथ्वी का प्राकृतिक सौन्दर्य है, इसलिए भी लुप्तप्रायः पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है। इसीलिए पृथ्वी पर मौजूद जीव-जंतुओं तथा पेड़-पौधों के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए तथा जैव विविधता के मुद्दों के बारे में लोगों में जागरूकता और समझ बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है। 20 दिसम्बर 2000 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा प्रस्ताव पारित करके इसे मनाने की शुरूआत की गई थी। इस प्रस्ताव पर 193 देशों द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे। दरअसल 22 मई 1992 को नैरोबी एक्ट में जैव विविधता पर अभिसमय के पाठ को स्वीकार किया गया था, इसीलिए यह दिवस मनाने के लिए 22 मई का दिन ही निर्धारित किया गया।

धरती पर पेड़-पौधों की संख्या बड़ी तेजी से घटने के कारण अनेक जानवरों और पक्षियों से उनके आशियाने छिन रहे हैं, जिससे उनका जीवन संकट में पड़ रहा है। पर्यावरण विशेषज्ञों का स्पष्ट कहना है कि यदि इस ओर जल्दी ही ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले समय में स्थितियां इतनी खतरनाक हो जाएंगी कि धरती से पेड़-पौधों तथा जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां विलुप्त होकर सदा के इतिहास के पन्नों का हिस्सा बन जाएंगी। माना कि धरती पर मानव की बढ़ती जरूरतों और सुविधाओं की पूर्ति के लिए विकास आवश्यक है लेकिन यह हमें ही तय करना होगा कि विकास के इस दौर में पर्यावरण तथा जीव-जंतुओं के लिए खतरा उत्पन्न न हो। प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक में चेतावनी देते हुए स्पष्ट रूप से कहा गया है कि यदि विकास के नाम पर वनों की बड़े पैमाने पर कटाई के साथ-साथ जीव-जंतुओं तथा पक्षियों से उनके आवास छीने जाते रहे और ये प्रजातियां धीरे-धीरे धरती से एक-एक कर लुप्त होती गई तो भविष्य में उससे उत्पन्न होने वाली भयावह समस्याओं और खतरों का सामना हमें ही करना होगा। दरअसल बढ़ती आबादी तथा जंगलों के तेजी से होते शहरीकरण ने मनुष्य को इतना स्वार्थी बना दिया है कि वह प्रकृति प्रदत्त उन साधनों के स्रोतों को भूल चुका है, जिनके बिना उसका जीवन ही असंभव है। आज अगर खेतों में कीटों को मारकर खाने वाले चिड़िया, मोर, तीतर, बटेर, कौआ, बाज, गिद्ध जैसे किसानों के हितैषी माने जाने वाले पक्षी भी तेजी से लुप्त होने के कगार हैं तो हमें आसानी से समझ लेना चाहिए कि हम भयावह खतरे की ओर आगे बढ़ रहे हैं और हमें अब समय रहते सचेत हो जाना चाहिए। जैव विविधता की समृद्धि ही धरती को रहने तथा जीवनयापन के योग्य बनाती है, इसलिए लुप्तप्रायः पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

प्रदर्शनी

हैदराबाद में मंगलवार को भारतीय डिजाइनर हाट प्रीमियम फैशन और लाइफस्टाइल प्रदर्शनी के उद्घाटन के अवसर पर मॉडल।

'अध्ययन के प्रति हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता की मांग करता है अंटार्कटिका'

कोच्चि/भाषा। भारत ने मंगलवार को अंटार्कटिका में विनियमित पर्यटन की जोरदार वकालत करते हुए कहा कि यह ज्वलंत मुद्दा है क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में उस बर्फीले महाद्वीप में जाने वाले पर्यटकों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है।

पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रीजीजू ने यहां 46वें अंटार्कटिका संधि परामर्श सम्मेलन (एटीसीएम) के उदघाटन के अवसर पर कहा, यह बर्फ का विशाल क्षेत्र केवल एक जमा हुआ रेगिस्तान नहीं है; बल्कि एक जीवंत प्रयोगशाला है जो सुरक्षा और अध्ययन के प्रति हमारी सर्वोच्च प्रतिबद्धता की मांग करती है।

अंटार्कटिका के लिए संसद कहा जाने वाला एटीसीएम 56 देशों की सहभागिता के साथ इस क्षेत्र का संचालन करने वाला सर्वोच्च मंच है। इनमें 29 देश परामर्शदाता का दर्जा रखते हैं जिन्हें निर्णय का अधिकार है। एटीसीएम में सभी फैसले आम-सहमति से लिए जाते हैं।

अंटार्कटिका में पर्यटन को विनियमित करने के लिए एक रूपरेखा विकसित करने को लेकर एक अलग कार्य समूह वर्तमान एटीसीएम में स्थापित किया गया है।

एटीसीएम में शुरुआत में पूर्व उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पंकज सरण को 10 सदस्यीय सम्मेलन का अध्यक्ष चुना गया। सम्मेलन 30 मई को समाप्त होगा। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण संबंधी समिति की 26वीं बैठक भी हो रही है।

शुभारंभ

भारत का दूसरा सबसे बड़ा सरकारी स्वामित्व वाला डाउनस्ट्रीम तेल उत्पादक एवं महारत्न कम्पनी भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने उत्तरी गोवा में नव स्थापित मनोहर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा में अत्याधुनिक हाइड्रेंट सुविधाओं का उदघाटन किया है। बीपीसीएल के निदेशक (मार्केटिंग) सुखमल जैन, जीएमआर गोवा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (जीजीआईएएल) के डिप्टी सीईओ कंवरबीर सिंह कालरा और बीपीसीएल और जीजीआईएएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में सुविधाओं का उद्घाटन किया।

ईरान के राष्ट्रपति और अन्य की मौत पर मातम मनाने जुटे लोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई।ईरान के दिवंगत राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी, विदेश मंत्री हुसैन अमीराब्दुल्लाहियन और अन्य अधिकारियों के जनाजे में शामिल होने और मातम मनाने के लिए मंगलवार को लोगों के जुटने का सिलसिला शुरू हो गया है। ईरान की सरकार ने दिवंगत राष्ट्रपति के सम्मान में कई कार्यक्रम आयोजित किए हैं। साथ ही वह इसके जरिये पश्चिम एशिया में शक्ति प्रदर्शन भी करना चाहती है। ईरान में शिया धर्म आधारित शासन में विशाल प्रदर्शन हमेशा से अहम रहे हैं। यहां तक कि 1979 की इस्लामिक क्रांति के दौरान भी तत्कालीन सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह रुहुल्लाह खुमैनी के स्वागत में लाखों लोग राजधानी तेहरान की सड़कों पर उतर आए थे। दस साल बाद उन्हें सुपुर्द ए खाक किए जाते समय भी लाखों लोग शामिल हुए थे।

पड़ोसी बगदाद में अमेरिकी ड्रोन हमले में 2020 में मारे गए रिवोल्यूशनरी गार्ड के जनरल कासिम सुलेमानी के जनाजे में एक अनुमान के अनुसार 10 लाख लोग शामिल हुए थे।

दिवंगत राष्ट्रपति रईसी, विदेशमंत्री अमीराब्दुल्लाहियन और अन्य के जनाजे में इतनी ही भीड़ जुटेगी या नहीं, इसे लेकर अभी सवाल हैं क्योंकि इनकी मौत हेलीकॉप्टर हादसे में हुई है और रईसी देश के इतिहास में सबसे कम मतदान वाले चुनाव में जीते थे एवं उन्होंने सभी विरोधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की थी।

अभियोजकों ने पहले ही चेतावनी दी है कि किसी ने रईसी के निधन पर खुशी का इजहार किया तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हेलीकॉप्टर हादसे के बाद से ही तेहरान की सड़कों पर भारी तादाद में सुरक्षाबल तैनात हैं। रईसी (63) की चर्चा ईरान के सर्वोच्च नेता 85 वर्षीय अयातुल्लाह अली खामनेई के संभावित उत्तराधिकारी के तौर पर होती थी लेकिन अब यह संभावना समाप्त हो गई है। राष्ट्रपति चुनाव 28 जून को कराने की घोषणा की गई है और शीर्ष नेता के उत्तराधिकारी को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। हेलीकॉप्टर जिस स्थान पर रविवार को दुर्घटनाग्रस्त हुआ था उसके नजदीकी प्रमुख शहर तबरेज की संकरी गलियों से होकर मारे गए लोगों के ताबूत मंगलवार को जब ले जाए जा रहे थे तो हजारों की संख्या में लोग काले मातमी लिबास में ताबूतों के साथ चल रहे थे। उनमें से कुछ लोग ताबूतों पर फूल बरसा रहे थे और लाउडस्पीकर पर रोते हुए लोग मारे गए लोगों को शहीद बता रहे हैं।

शवों को मंगलवार को तेहरान लाए जाने से पहले शियाओं के पवित्र शहर कौम ले जाया जाएगा। बुधवार को मारे गए लोगों के जनाजे की नमाज खामनेई के नेतृत्व में पढ़ी जाएगी।

हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि सुपुर्द ए खाक किए जाने के मौके पर अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति किस तरह से होगी। अमेरिका ने दिवंगत राष्ट्रपति द्वारा 1988 में कथित रूप से बड़े पैमाने पर फांसी देने और न्यायपालिका का नेतृत्व करने के दौरान प्रदर्शनकारियों एवं विरोधियों के कथित उत्पीड़न को लेकर उन पर प्रतिबंध लगाया था।

रईसी के शासन काल में ही ईरान ने रूस को ड्रोन की आपूर्ति की, जिनका इस्तेमाल यूक्रेन युद्ध में बम गिराने के लिए किया जा रहा है। लिथुआनिया के विदेश मंत्री गैब्रिलियस लैंड्सबर्गिस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, मैं ईरान को शोक संदेश भेजने में सहज महसूस नहीं कर रहा हूं जो यूक्रेन में आम नागरिकों के खिलाफ इस्तेमाल करने के लिए ड्रोन भेज रहा है।

वाराणसी में राजकुमार-जाह्नवी ने की गंगा आरती

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर और एक्टर राजकुमार राव अपनी आने वाली 'फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही' के प्रमोशन के लिए उत्तर प्रदेश के वाराणसी पहुंचे। जहां दोनों ने गंगा आरती की। जाह्नवी कपूर और राजकुमार राव ने दशाश्वमेध घाट पर पूजा-अर्चना की और ईश्वर का आशीर्वाद मांगा। फोटो में जाह्नवी कपूर को नीले और सिल्वर रंग की बनारसी साड़ी में देखा जा सकता है। उन्होंने झुमके भी पहने हुए हैं।

राजकुमार राव ने पैंट के साथ सफेद शर्ट पहनी। जाह्नवी कपूर फिल्म 'फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही' का प्रचार शुरू करेंगी। वह मंगलवार को दिल्ली का दौरा करेंगी। रोमांटिक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म का निर्देशन शरण शर्मा ने किया है। यह फिल्म सिनेमाघरों में 31 मई को रिलीज होगी।

भगवान जगन्नाथ पर टिप्पणी को लेकर तीन दिन तक उपवास करेंगे भाजपा नेता संबित पात्रा

भुवनेश्वर/भाषा। भगवान जगन्नाथ पर ''जुबान फिसलने'' को लेकर विवादों में घिरे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और पुरी लोकसभा सीट से पार्टी के प्रत्याशी संबित पात्रा ने विभिन्न वर्गों से आलोचनाओं के बाद माफी मांगी है और मंगलवार से तीन दिन तक उपवास रखकर प्रायश्चित करने की घोषणा की है।

पात्रा ने सोमवार को टेलीविजन चैनलों से बातचीत में कहा था कि राज्य के प्रतिष्ठित देवता ''भगवान जगन्नाथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भक्त हैं। पात्रा ने बाद में स्पष्ट किया था कि यह सिर्फ जुबान फिसलने के कारण हुआ और वह यह कहना चाहते थे कि प्रधानमंत्री भगवान जगन्नाथ के परम 'भक्त' हैं।

पात्रा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ...इस गलती के लिए, मैं भगवान जगन्नाथ के चरणों में सिर झुकाकर क्षमा मांगता हूं। मैं इस गलती का प्रायश्चित करने के लिए अगले तीन दिन उपवास करूंगा।

पात्रा की टिप्पणी पर विवाद तब बढ़ गया जब ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटायक ने उनके बयान की कड़ी निंदा की और भाजपा से भगवान जगन्नाथ को

राजनीति में न घसीटने की अपील की। पटनायक ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में ओडिया 'अस्मिता' को ठेस पहुंचाने के लिए पात्रा की आलोचना की। उन्होंने पोस्ट में कहा, महाप्रभु श्रीजगन्नाथ ब्रह्मांड के स्वामी हैं। महाप्रभु को किसी इंसान का 'भक्त' कहना भगवान का अपमान है...यह पूरी तरह निंदनीय है। इससे भावनाएं आहत हुई हैं और दुनियाभर में करोड़ों जगन्नाथ भक्तों तथा उड़िया लोगों की आस्था को ठेस पहुंची है।

पटनायक ने कहा, भगवान उड़िया अस्मिता के सबसे बड़े प्रतीक हैं। मैं इस बयान की कड़ी निंदा करता हूं...और मैं भाजपा से अपील करता हूं कि वह भगवान को किसी भी राजनीतिक चर्चा में शामिल न करे। ऐसा करके आपने ओडिया अस्मिता को गहरी चोट पहुंचाई है और इसे ओडिशा के लोग लंबे समय तक नहीं भूलेंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी पात्रा के बयान की निंदा की। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पुरी से भाजपा के प्रत्याशी द्वारा की गई टिप्पणियां करोड़ों लोगों के श्रद्धेय महाप्रभु श्री जगन्नाथ का अपमान हैं। हम कड़े शब्दों में इसकी निंदा करते हैं। यह हमारे इस आरोप को मजबूत करता है कि सत्ता के नशे में चूर भाजपा भारत की जनता तो क्या, बल्कि हमारे देवताओं को भी नहीं बख्शेगी। जनता की इच्छाशक्ति से चार जून को यह अहंकार चूर-चूर हो जाएगा।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी भाजपा उम्मीदवार के बयान की निंदा की। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मैं भाजपा नेता के इस बयान की कड़ी निंदा करता हूं। वे सोचने लगे हैं कि वे भगवान से ऊपर हैं। यह अहंकार की पराकाष्ठा है।

हॉरर-कॉमेडी से भरपूर फिल्म 'मुंज्या' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

आदित्य सरपोतदार के निर्देशन में बनी फिल्म 'मुंज्या' का टीजर मंगलवार को रिलीज हो गया। हॉरर-कॉमेडी से भरपूर फिल्म का टीजर काफी दिलचस्प है। फिल्म में कंप्यूटर-जनरेटेड इमेजरी (सीजीआई) एक्टर शामिल है। फिल्म का एक मिनट 23 सेकंड का टीजर 'मुंज्या' की दुनिया

की झलक दिखाता है। टीजर दर्शकों को एक रहस्यमयी 'मुन्नी' की खोज के बारे में जानने के लिए उत्सुक करता है। इतना ही नहीं यह दर्शकों को मुंज्या के पीछे के रहस्यों को जानने के लिए उत्सुक करती है।

यह फिल्म भारतीय विश्वास और सांस्कृतिक व्यवस्था से जुड़ी एक मिथक 'मुंज्या' के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म का टीजर काफी दिलचस्प है। इसमें 'मुंज्या' एक ऐसा नया प्राणी होता है, जो इंसानों जैसे ही बातचीत कर सकता है और चल फिर सकता है। यह एक डिजिटल चमत्कार है, जो अपनी हरकतों से दर्शकों के दिलों में डर भी पैदा कर सकता है। निर्माताओं ने टीजर को सोशल मीडिया पर शेयर किया। फिल्म में शरवरी, मोना सिंह, अभय वर्मा और सत्यराज मुख्य भूमिका में हैं। इसका निर्देशन आदित्य सरपोतदार ने किया है। फिल्म का ट्रेलर 24 मई को जारी किया जाएगा। 'मुंज्या' का निर्माण दिनेश विजन और अमर कौशिक ने किया है। फिल्म 7 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

श्रद्धांजलि

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, तेलंगाना कांग्रेस प्रभारी दीपा दासमुशी ने मंगलवार को हैदराबाद के सोमाजीगुडा में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

हिंदी फिल्म 'संतोष' को दर्शकों ने सराहा

कान/एजेन्सी

ब्रिटिश-भारतीय निर्देशक संध्या सूरी निर्मित पहली फीचर फिल्म 'संतोष' को 77वें कान फिल्म महोत्सव में दर्शकों ने खूब सराहा है। इस फिल्म में जाति और लिंग राजनीति से प्रेरित असमानताओं का तीखा चित्रण किया गया है। यह फिल्म उत्तर भारत के एक गांव में एक नाबालिग दलित लड़की के बलात्कार और हत्या पर आधारित है, जिसने कान महोत्सव के जूरी सदस्य के मानसिक पटल पर अपनी गहरी छाप छोड़ी और इस फिल्म को अंतरराष्ट्रीय मंच पर जगह मिली। भारत-ब्रिटेन-फ्रांस-जर्मनी के सह-निर्माण में बनी फिल्म 'संतोष' का सोमवार को कान में विश्व प्रीमियर हुआ। दिल्ली में जन्मीं सूरी ने 2018 में टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में 'द फील्ड्स' के लिए सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्म का पुरस्कार जीता था, जिसे भारत में ही शूट किया गया था।

सूरी ने कहा, मैं अपनी पहली फीचर फिल्म के लिए महिलाओं के खिलाफ हिंसा पर केंद्रित विषय पर विचार कर रही थी। उन्होंने कहा, इस पुलिसवाली के चेहरे पर एक रहस्यमय भाव था। इस छवि ने फिल्म को प्रेरित किया। मीरा नायर द्वारा निर्देशित 'ए सूटेबल बॉय' टेलीविजन सीरीज और नंदिता दास की 'ज़्विगतो' और रुबैयत हुसैन की 'मेड इन बंगलादेश' जैसी फिल्मों में अभिनय कर चुकी शाहना गोस्वामी 'संतोष' में पुलिसवाली की मुख्य भूमिका निभा रही हैं। निर्देशक ने अपनी पहली फीचर फिल्म के लिए एक दशक लंबे निर्माण के बारे में कहा, यहां तक पहुंचने में दस साल लग गये। यह फिल्म इस साल कान महोत्सव में आधिकारिक चयन में कई भारतीय फिल्मों में से एक है। कान फिल्म महोत्सव 25 मई तक चलेगा।

दिलीप कुमार ने पूर्व रक्षा मंत्री वी.के.कृष्ण मेनन के लिए किया था प्रचार

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के अभिनय सम्राट दिलीप कुमार ने वर्ष 1962 लोकसभा चुनाव के दौरान बांबे सिटी नार्थ सीट से चुनाव लड़ रहे पूर्व रक्षा मंत्री वी.के.कृष्ण मेनन के लिये प्रचार किया था। वर्ष 1962 में तीसरे लोकसभा चुनाव के दौरान बांबे सिटी नार्थ की लोकसभा सीट पर तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू जिगरी दोस्त और देश के तत्कालीन रक्षा मंत्रीवी.के. कृष्ण मेनन चुनाव लड़ रहे थे। उस दौर में रक्षा मंत्री मेनन को लेकर पूरे देश में गुस्से का माहौल था। चीन भारत की सीमा में घुसपैठ करने लगा था। मेनन चीन का मुकाबला करने में पूरी तरह से नाकाम हो रहे थे। आचार्य जे.बी.कृपलानी , वी.के.मेनन के चुनाव लड़ने से बेहद नाराज़ हो गये। कृपलानी ने अपनी बिहार की सीतामढ़ी सीट छोड़कर बांबे सिटी नार्थ सीट से रक्षा मंत्री मेनन के खिलाफ चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया। इसी दौरान एक अखबार ने कविता छापी,चीनी हमला होते हैं, मेनन साहब सोते हैं, सोना है तो सोने दो, कृपलानीजी को आने दो।

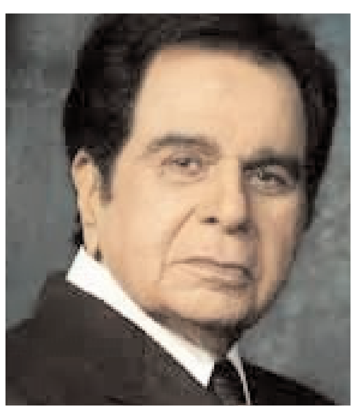

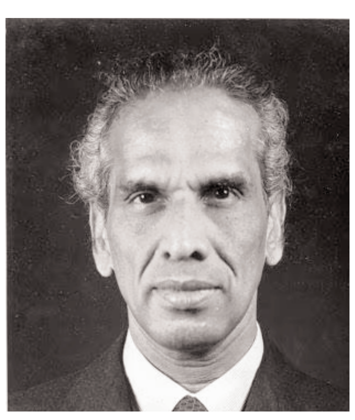

प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू को शायद यह लगा कि कांग्रेस के वी.के. कृष्ण मेनन, जे.बी. कृपलानी को नहीं हरा पाएंगे।नेहरू ने उस समय फिल्म अभिनेता दिलीप कुमार को प्रचार में उतार दिया। बांबे सिटी नार्थ लोक सभा सीट पर मेनन का पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष जे.बी. कृपलानी से सीधा मुकाबला था। वह चुनाव देश में काफी चर्चित हुआ था। दिलीप कुमार ने इस चुनाव के बारे मे अपनी आत्मकथा द सब्सटांस एंड द शेडो में लिखा था। यह किताब हिंदी और उर्दू में वजूद और परछाई नाम से प्रकाशित हुई है। दिलीप कुमार ने लिखा था,मैंने पहली बार 1962 में लोक सभा चुनाव में किसी उम्मीदवार के लिए प्रचार किया था। पंडित जवाहर लाल नेहरू ने मुझे खुद फोन करके कहा था कि 'क्या मैं समय निकाल कर बंबई में कांग्रेस ऑफिस में जाकर वी.के.कृष्ण मेनन से मिल सकता हूं? वे बांबे सिटी नार्थ से चुनाव लड़ रहे हैं। उनके खिलाफ एक बड़े नेता जे.बी. कृपलानी लड़ रहे थे।मैंने पंडित जी की बात का सम्मान किया। क्योंकि आगा जी के बाद मैं सबसे ज्यादा आदर एवं सम्मान उन्हीं का करता था।जैसा कि पंडित जी ने कहा, मैं जुहू में कांग्रेस ऑफिस गया। मेनन ने दिलीप कुमार से कहा कि चुनावी मुकाबला कड़ा है। वे चाहते थे कि मैं फिल्म उद्योग के लोगों को चुनाव रैली में आने के लिए कहूं।

दिलीप कुमार ने लिखा था, मैंने सबसे बड़ी राजनीतिक सभा को मुंबई के कूपरेज मैदान में संबोधित किया। मुझे इसके बारे में बिल्कुल पता नहीं था कि मुझे भाषण देना है। मौके पर पहुंचते ही देखा कि लोग मेरा नाम ले रहे थे और शोर मचा रहे थे। मैं जब जनता के सामने आया, तो उनकी खुशी और जोश भरी चीख-पुकार और साफ सुनाई देने लगी। मैंने गहरी सांस ली और दस मिनट बोला।

जब मेरा भाषण खत्म हुआ, तो तालियों की आवाज बहरा कर देने वाली थीं। इस तरह मैंने मेनन के लिए चुनाव प्रचार करते हुए कई भाषण दिए।कांगेस के लिए चुनाव प्रचार करना मेरा एक नियमित काम बन गया, क्योंकि कृष्ण मेनन जीत गए थे। वर्ष 1962 में बांबे सिटी नार्थ पर हुये चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व रक्षा मंत्री वी.के कृष्ण मेनन ने निर्दलीय प्रत्याशी आचार्य जे.बी.कृपालानी को एक लाख 45 हजार 358 मतों के अंतर से पराजित कर दिया था।

सलमान खान को पसंद आया 'मिस्टर एंड मिसेज माही' का ट्रेलर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान को मिस्टर एंड मिसेज माही का ट्रेलर बेहद पसंद आया है। करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही में राजकुमार राव और जान्हवी कपूर मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। यह फिल्म क्रिकेट पर आधारित है। सलमान खान को इस फिल्म का ट्रेलर बेहद पसंद आया है। सलमान खान ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म का ट्रेलर शेयर किया।इसके साथ उन्होंने स्टोरी में शरण शर्मा, जान्हवी कपूर, करण जौहर और राजकुमार राव को टैग करते हुए लिखा, लुक गुड, मिस्टर एंड मिसेज माही की कास्ट और क्रू को मुबारक

हो। सलमान की स्टोरी को करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राम पर रीशेयर किया है। उन्होंने सलमान खान को शुक्रिया कहा और लिखा, सलमान आपका बहुत-बहुत शुक्रिया। ये हम सभी के लिए बहुत मायने रखता है। हम आपके साथ फिल्म शेयर करने को बेताब हैं। फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' में राजकुमार राव और जान्हवी कपूर के अलावा राजेश शर्मा, कुमुद मिश्रा, अभिषेक बनर्जी, जरीना वहाब और अर्जित तनेजा जैसे कलाकार भी दिखाई देंगे।।शरन शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही, 31 मई को रिलीज होगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

8

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | बुधवार | 22-05-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

अक्षय तृतीया का पवित्र दिन जैन धर्म के अनुसार इस युग के भिक्षा विधि के प्रारम्भ का दिन हैं। इस दिन भगवान ऋषभदेव के एक वर्ष से ऊपर की तपस्या का पारणा हुआ था। भगवान ऋषभ का तप अनुपमेय था। भगवान ऋषभ इस युग के प्रथम राजा कहलाए, प्रथम मुनि बने, प्रथम भिक्षुक कहलाए और प्रथम तीर्थंकर बने। भगवान ऋषभ का जीवन समग्रता लिए हुए था। जिन्होंने समाज के लिए भी अपना समय लगाया, लोगों को असि, मषि, कृषि का प्रशिक्षण दिया और बाद में साधना में लीन बने।

जैन उत्सव — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तमिलनाडु के थिरुनारउगुंधराम के दिगंबर जैन मंदिर में तमिल जैन लोग द्वारा पांचवें दिन उत्सव के दौरान वरघोड़े में शामिल होते हुए स्थनीय जैन श्रद्धालु। तीर्थंकर परमात्मा की मूर्ति को वरघोड़े में सजाकर शोभायात्रा निकाली गई। पहाड़ी पर स्थित इस मंदिर की अपनी अनुपम छटा है।

जीवदया के उपदेशक गुणग्राही ज्ञानमुनि

डॉ. दिलीप धींग

प्रभावशाली प्रवचनकार श्रमणसंघीय संत ज्ञानमुनि के प्रवचन अन्य सन्तों के प्रवचनों से एकदम हटकर तथा रसप्रद होते हैं। वे श्रोताओं से जुड़े रहते हैं और श्रोतगण भी उनसे शुरू से अन्त तक जुड़े रहते हैं। उनकी व्याख्यान-शैली की अनेक विशेषताएँ हैं। जो विशेषता रेखांकनीय है, वह है सन्दर्भ सहित प्रस्तुति। सन्दर्भ चाहे व्यक्ति का हो या शास्त्र का, मुनिश्री पूर्ण निष्पक्ष भाव से संदर्भ देते हुए प्रवचन करते हैं। इसके अलावा मुनिश्री अपने व्याख्यान में लोक-जीवन में रचे-बसे किस्सों, दोहों, मुहावरों, कहावतों आदि का समयोचित उपयोग करने में बहुत कुशल हैं। उन्हें राजस्थानी भाषा की अनेक कहानियां और कहावतें मुख-जबानी याद है, जिनका वे अपने व्याख्यानों में प्रभावी उपयोग करते हैं। उनकी हिंदी में भी राजस्थानी पुट रहता है। उनके व्याख्यानों में राजस्थानी भाषा की छटाएं होने से वे दक्षिण भारत में प्रवासी राजस्थानियों के बीच बेहद लोकप्रिय व श्रद्धास्पद हैं। उनके गुरुदेव आचार्य श्री हस्ती उन्हें रोचक व्याख्यानी' कहा करते थे।

आज जहाँ नई पीढ़ी हमारी श्रेष्ठ परम्पराओं तथा पारम्परिक शब्दावली और संस्कारों से दूर होती जा रही है, वहाँ ज्ञानमुनि के प्रवचन इस विरासत को बचाने का भागीरथ प्रयास है। वे अपने प्रवचनों में किसी भी सम्प्रदाय के किसी भी विशिष्ट सन्त या गृहस्थ के सद्गुण या प्रेरक प्रसंग का अहोभाव से उल्लेख करते हैं। जैन समाज की स्थानकवासी परंपरा के अनेक संतों और श्रावकों के संस्मरण उन्हें तिथि और वर्ष के साथ याद हैं तथा वे उनका उनके प्रवचनों में उल्लेख करते हैं। गुणानुरागिता और मिलनसारिता उनकी बहुत बड़ी विशेषताएं हैं। इन

विशेषताओं के कारण वे समाज में एकता और सौहार्द बढ़ाते हैं।

साधर्मी वात्सल्य, कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहन, जीवदया, प्राणिरक्षा आदि विषयों पर उनकी प्रेरणाओं से अनेक कार्य हुए और हो रहे हैं। उनकी प्रेरणा से उदारमना दयालु श्रावकों ने बूचड़खानों में जाने वाली सैकड़ों गायों की रक्षा की है। उनकी उपदेशों से प्रेरित होकर श्रावकगण राजस्थान में चलने वाली बकराशालाओं में प्रतिवर्ष लाखों रुपयों की राशि भिजवाते हैं। उनके द्वारा संकलित अनेक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं; जिनमें ज्ञानांजलि (सात संस्करण), जिनशासन की दिव्य विभूतियाँ (भाग 1-2), ज्ञान सूक्ति कोष (भाग 1-2), ज्ञान रश्मियाँ (भाग 1-4), दिवाकर देन आदि प्रमुख हैं। ज्ञान रश्मियाँ और दिवाकर देन पुस्तकों में उन्होंने लगभग डेढ़ हजार लोक-कथाओं, धर्म-कथाओं, नीति-कथाओं और प्रेरक प्रसंगों को सहेजा और सुरक्षित किया है।

मार्गशीर्ष शुक्ल 12, वि. सं. 2005 को जोधपुर (राजस्थान) में जन्मे ज्ञानमुनि के पिता गुलराज अबानी तथा माता रतनकँवर धर्मनिष्ठ श्रावक-श्राविका थे। वैशाख शुक्ल 14, वि.सं. 2032 को उन्होंने आचार्य हस्तीमलजी महाराज के चरणों में मुनि दीक्षा अंगीकार कर ली। रत्नवंशीय आत्मार्थी संत चौथमलजी उनके शिक्षा गुरु रहे। उत्तराध्ययन सूत्र में कहा गया है कि ज्ञान से मुनित्व की साधना फलवती बनती है। ज्ञानमुनि अपने नाम के 'ज्ञान' और 'मुनि' दोनों शब्दों की गरिमा के प्रति सजग रहते हैं। वे स्वयं ज्ञानोपासना में लगे रहते हैं और ज्ञान तथा ज्ञान की उपासना करने वालों को पूरा सम्मान देते हैं। उनका कहना है कि समाज को आडंबर, प्रदर्शन व फिजूलखर्ची रोककर श्रुतज्ञान के विकास, विद्वानों के निर्माण और विद्वानों के प्रोत्साहन की ओर ध्यान देना चाहिये।

अनेकांत के जीवंत प्रतिमान ज्ञानमुनि ने राजस्थान के अलावा कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना तथा अन्य क्षेत्रों में विचरण किया है। वे सभी जगहों पर शाकाहार, सदाचार, व्यसन-मुक्ति, धर्म-ध्यान और त्याग-तप की अलख जगाते हैं। 22 मई, 2024 को वे अपनी दीक्षा के 50वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। उनकी संयम स्वर्ण जयंती समाज में संयममय जीवन जीने की प्रेरणा देने वाली बने।

अमेरिका ने हेलीकॉप्टर दुर्घटना की जांच में ईरान की मदद से इनकार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। ईरान की सरकार ने उस हेलीकॉप्टर दुर्घटना की जांच के लिए अमेरिका से मदद का आग्रह किया है, जिसमें राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और विदेश मंत्री तथा छह अन्य की मौत हुई है, लेकिन अमेरिका 'लॉजिस्टिक' (साजो-सामान) कारणों से सहायता नहीं करेगा। यह जानकारी अमेरिका के एक वरिष्ठ राजनयिक ने दी है।

रईसी और विदेश मंत्री आमिर-अब्दुल्लाहियन और छह अन्य जिस हेलीकॉप्टर में सवार थे, वह कोहरे के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया था और ये सभी सोमवार को मृत मिले थे।

रईसी को 85 वर्षीय ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के उत्तराधिकारी की दौड़ में अग्रणी उम्मीदवारों में से एक माना जाता था। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर से सोमवार को जब प्रेस वार्ता में ईरानी सरकार की ओर से मदद का आग्रह किए जाने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका इस तरह की स्थितियों में विदेशी सरकारों से आग्रह आने पर मदद करता है, लेकिन अमेरिका उसकी किसी भी तरह की मदद कर पाने में सक्षम नहीं है। मिलर ने पत्रकारों से कहा कि काफी हद तक 'लॉजिस्टिक' कारणों के चलते ईरान की मदद नहीं की जा रही है।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अमेरिका ने रईसी के निधन पर आधिकारिक तौर पर शोक जताया है और ईरानी नेता की मृत्यु को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक मौन कार्यक्रम में भी शिरकत की। प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका इसे लेकर बहुत स्पष्ट है कि रईसी चार दशक तक ईरानी लोगों का दमन करने में शामिल रहे, लेकिन वह (अमेरिका) हेलीकॉप्टर दुर्घटना जैसे हादसे में किसी की भी मौत पर अफसोस जताता है।

मिलर ने कहा कि ईरान में न्यायाधीश और राष्ट्रपति के तौर पर रईसी का रिकॉर्ड नहीं बदला है और यह तथ्य भी नहीं बदला है कि उनके हाथ खून से सने थे।

जैसा तुम गाते हो, वैसी आवाज लौट कर आती है : आचार्यश्री प्रसन्नसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हेब्बाल में आचार्यश्री प्रसन्नसागर जी की निश्रा प्रातःकालीन भक्तामर स्तोत्र, कल्याणमंदिर स्तोत्र, आचार्यश्री जिनसेन स्वामी रचित श्री जिन सहस्रनाम के जाप के पश्चात आचार्यश्री समन्तभद्र विरचित स्वयंभू पाठ में 24 तीर्थंकरों की पूजा, आचार्य श्री अमितगति विरचित सामायिक पाठ, ऋद्धि मंत्रों के जाप दीपआराधना, प्रतिक्रमण के पश्चात् मूलाचार ग्रंथराज का स्वाध्याय, मूलगाथा का पाठन और विवेचन कार्य हुआ। इस मौके पर आचार्यश्री ने कहा कि वेदनीय कर्म के दो भेद हैं साता और असाता। जो सुख देवे वो साता वेदनीय और जो दुःख देवे वो असाता वेदनीय। जीव के हर समय साता और

असाता कर्म का उदय चलता रहता है। सबसे ज्यादा कर्मों के पुदगल परमाणु वेदनीय कर्म के खाते में जाते हैं। सामायिक पाठ के माध्यम से जैन धर्म का कर्म सिद्धांत को अद्भुत बताया। जीव के स्वयं के कर्म ही, उसे शुभ और अशुभ का फल निश्चय से देते हैं। स्वयं करे और फल अन्य को दे तो तो स्वयं के किये कर्म निष्फल हो जाते हैं। जो-जो तुम दूसरों के साथ कर रहे हो, वही तुम्हारे पास लौट कर आ रहा है, तुम्हारे कर्मों पर तुम्हारी ही सील मोहर लगी है।

संतश्री ने कहा कि यह संतोष एक प्रतिध्वनि है। जैसा तुम गाते हो, वैसी आवाज लौट कर आती है। हँसो तो सारा जग हँसता नजर आता है, रोओ तो सारा जग रोता नजर आता है। उदास होकर चाँद-तारों को देखोगे तो रोते नजर आएँगे, आनंदित होकर देखोगे तो आकाश से फूल झरते नजर आएँगे, सारा तुम्हारे ही मन का फैलाव है। प्रवर्तक डॉ मुनिश्री सहजसागरजी महाराज ने बताया कि जहाँ मिथ्यात्व है, वहाँ दर्शनावरण है, जहाँ असंयम है वहाँ भी दर्शनावरण है। जहाँ कषाय है वहाँ भी दर्शनावरण है, जहाँ योग है वहाँ भी दर्शनावरण है, ये सब कर्म - बंध के कारण हैं। महनीय कर्म के दर्शन मोहनीय और चारित्र मोहनीय के साथ उत्तर भेद भी बताए। वर्णी क्षुल्लकश्री नैगमसागर ी ने ज्ञानावरण और दर्शनावरण के सिद्धांत को मधुर गीत रूप में गाया।

जीवन में अनुशासन अति आवश्यक : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कराड। यहां के राजस्थान जैन श्वेताम्बर संघ में आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी आदि मुनिवृंद का आगमन हुआ।आयोजित प्रवचन में आचार्यश्री ने कहा कि इस संसार में हमें सबसे ज्यादा खतरा अपने आप व अपनों से है। हम बाहर के शत्रुओं से तो लड़ सकते हैं परन्तु स्वयं व अपनों से लड़ना बहुत मुश्किल है। हमें अपने

क्रोध,लोभ, व्यवहार आदि पर नियंत्रण रखना चाहिए। हमें अपने जीवन में अनुशासन रखना चाहिए।

कांठा प्रांत का सात दिवसीय पब्लिक स्पीकिंग कोर्स का हुआ शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर मे काँठा प्रांत युवक परिषद ट्रस्ट ने राजाजीनगर स्थित आदिश्वर कार्यालय में सात दिवसीय पब्लिक स्पीकिंग कोर्स का शुभारंभ किया। नवकार स्मरण से प्रारंभ उद्धघाटन समारोह में परिषद के प्रायोजक, फेकल्टी एवं ट्रस्टियों ने दीप प्रज्वलित किया। परिषद के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी ने सभी का स्वागत किया।

उन्होंने उन्होंने कौशल विकास व ज्ञान वृद्धि के इस आयोजन के संपूर्ण प्रायोजक रमेशकुमार निखिलकुमार गुन्देचा परिवार का आभार व्यक्त किया। मंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने परिषद द्वारा गतिमान विभिन्न योजनाओं का ब्योरा प्रस्तुत किया।

परिषद के पब्लिक स्पीकिंग योजना अध्यक्ष दिनेश खिंवेसरा ने जानकारी दी कि आयोजन में भाग लें रहे 40 जिज्ञासुओं को वाक् कला में पारंगत करने का कार्य प्रशिक्षक हितेश गिरिया, नेहा चौधरी व पूजा जैन कर रह रहें। योजना के उपाध्यक्ष संजय गुन्देचा व सूरजमल पितलिया ने बताया कि इस सत्र में बेंगलूरु के विभिन्न उपनगरों से प्रतिभागी भाग ले रहे है। आयोजन में प्रायोजक रमेशकुमार गुन्देचा ने प्रतिभागियों को शुभकामनायें देते हुए समय की पाबंदी व संपूर्ण ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। विशेष रूप से उपस्थित कोटा से आए अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षक कोटा के योगेश चण्डक ने प्रतिभागियों को वाक् कला सीखने के गुर बताये। प्रशिक्षकों का परिचय संजय गुन्देचा, सिद्धार्थ बोहरा व सिमरन खींवेसरा ने दिया। सभी प्रशिक्षको ने प्रतिभागियों को सत्र की आधारभूत जानकारी दी तथा प्रमुख नियमों से अवगत कराया। परिषद के उपाध्यक्ष रमेश गुगलिया, ट्रस्टी किरणराज कोठारी, रमेश गुगलिया, जसवंत गुगलिया, महेंद्र खिंवेसरा, विमल गांधी आदि उपस्थित थे। संचालन दिनेश खिंवेसरा ने किया। आभार सूरजमल पितलिया ने व्यक्त किया।

सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के विनायक गलियारा बलगा केनरा बैंक कॉलोनी द्वारा गौरवनाहली लक्ष्मी उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां की विशेष पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। मुणोत ने जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। आयोजकों ने मुणोत का सम्मान किया।

एमनेस्टी प्रमुख ने पाक में आम लोगों के खिलाफ सैन्य अदालत में मुकदमा चलाने की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कराची/भाषा। एमनेस्टी इंटरनेशनल की प्रमुख डॉ एग्नेस कैलामार्ड ने कहा है कि पिछले साल नौ मई को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद भड़की हिंसा के दौरान सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमले के आरोप में सैन्य अदालतों को 100 से ज्यादा लोगों पर मुकदमा नहीं चलाना चाहिए।

एमनेस्टी इंटरनेशनल की महासचिव कैलामार्ड ने सरकार से अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का पालन करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा और नागरिक एवं राजनीतिक अधिकारों संबंधी अंतरराष्ट्रीय नियम साफ तौर पर कहता है कि असैन्य नागरिकों के खिलाफ सैन्य अदालतों में मुकदमा नहीं चलाया जाना चाहिए। 'डॉन' अखबार की खबर के मुताबिक, दक्षिण एशिया के पहले दौरे पर आईं एमनेस्टी प्रमुख ने कहा कि आम नागरिकों के खिलाफ सैन्य अदालतों में मुकदमा चलाना अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत 'अस्वीकार्य' है, लेकिन दुखद है कि पाकिस्तान के राजनीतिक इतिहास में यह होता आया है और यह कोई नई बात नहीं है।

कैलामार्ड ने पारदर्शिता, उचित प्रक्रिया और न्यायिक स्वतंत्रता के सिद्धांतों पर जोर देते हुए पाकिस्तान से अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों को बनाए रखने और निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार सुनिश्चित करने वाली संवैधानिक गारंटी की रक्षा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सैन्य अदालतों का उपयोग संवैधानिकता को खतरे में डाल रहा है।

'एक शाम गुरु शांति के नाम' कार्यक्रम में उमड़े श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हासन। अरसीकेरे समीपवर्ती जाजूर स्थित दक्षिण शांतिसूरी धाम मध्ये शांतिगुरु भक्त परिवार बेंगलूरु के तत्वाधान मे आयोजित 'एक शाम गुरु शांति के नाम' राष्ट्रीय स्तर की भक्ति का आयोजन किया गया। संघवी श्रीपाल खांटेड परिवार मुख्य प्रायोजक एवं राजेश बंदामुथा तथा महावीर मेहता परिवार सहप्रायोजक रहे। स्थानीय कोडीमठ के पीठाधीश्वर श्री शिवानन्दस्वामीजी के निश्रा मे विश्व शांति एवं लोक कल्याण हेतु योगीराज शांतिसूरीश्वरजी की शोभायात्रा निकाली गई जिसमें अरसीकेरे के नारी शक्ति मंडल, दक्षिण शांतिसूरि महिला मंडल, बेंगलूरु के नारी शक्ति मंडल सहित बड़ी संख्या में पुरुष महिला श्रद्धालु उपस्थित थे। बेंगलूरु के मीठालाल पावेचा ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस मौके पर बेंगलूरु के कुमारपाल सिसोदिया, प्रकाश राठोड, चेतनप्रकाश डुंगरवाल, रमेश हरण, राजेश राठौड़ सहित विभिन्न शहरों से गणमान्य लोग विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। राजनंदगाव से आए भजन गायक भावेश बैद ने भजनों की प्रस्तुति दी। बरलूट के युगल जोडी प्रिया प्रीति, जबलपुर से प्रसन्न कुमार एवं मुंबई से सुभाष पोरवाल ने गुरुभक्ति की प्रस्तुती दी। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

जयशंकर ने ईरानी दूतावास का दौरा किया, राष्ट्रपति रईसी के निधन पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को दिल्ली में ईरानी दूतावास का दौरा किया और हेलीकॉप्टर दुर्घटना में हुई राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी तथा विदेश मंत्री हुसैन आमिर-अब्दुल्लाहियन की मौत पर भारत की ओर से गहरी संवेदना व्यक्त की। रईसी के सम्मान में मंगलवार को पूरे भारत में एक दिवसीय राजकीय शोक मनाया जा रहा है।

जयशंकर ने कहा कि भारत इस 'कठिन समय' में ईरान के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और मेरे सहयोगी विदेश मंत्री हुसैन आमिर-अब्दुल्लाहियन के दुखद निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करने के लिए आज दिल्ली में ईरान के दूतावास का दौरा किया। जयशंकर ने कहा, उन्हें (रईसी और अब्दुल्लाहियन) हमेशा भारत के दोस्तों के रूप में याद किया जाएगा जिन्होंने भारत-ईरान संबंधों के विकास में बहुत योगदान दिया। रईसी (63) और उनकी टीम के लोग रविवार को अज़रबैजान-ईरान सीमा पर एक क्षेत्र से वापसी के दौरान उत्तर-पश्चिमी शहर ताब्रीज़ की ओर जा रहे थे कि तभी उनका हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

राजराजेश्वरी नगर में बांटे गए जैन विद्या प्रमाण-पत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजराजेश्वरीनगर स्थित तेरापंथ भवन में विराजित साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी व उदितयशाजी के सान्निध्य में वर्ष 2022-23 की जैन विद्या परीक्षा में उत्तीर्ण सभी परीक्षार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ साध्वीश्री आस्थाप्रभाजी एवं दीक्षाप्रभाजी के मंगलाचरण से हुआ। साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी ने कहा कि जैन विद्या आत्मज्ञान की कुंजी है, जैन विद्या द्वारा संस्कारों का निर्माण होता है। सभी श्रावक समाज को जैन विद्या से जुड़ने की प्रेरणा दी। सभाध्यक्ष छतरसिंह सेठिया, ट्रस्ट अध्यक्ष मनोज डागा, महिला मंडल अध्यक्ष सुमन पटावरी, तेयुप अध्यक्ष विकास छाजेड़, समण संस्कृति संकाय साउथ कर्नाटक प्रभारी कंचन छाजेड़ ने विचार व्यक्त किए। केन्द्र व्यवस्थापिका सीमाछाजेड़ ने 9 और 10 नवंबर में होने वाली जैन विद्या परीक्षा की जानकारी दी। सभाध्यक्ष ने सभी प्रतिभागियों का अभिनंदन कर उन्हें पुरस्कृत किया। सह-केंद्र व्यवस्थापिका संगीता डागा, आशा लोढ़ा, सीमा दक और दीपिका देरासरिया का कार्यक्रम की व्यवस्था संभाली। कार्यक्रम का संचालन सीमा छाजेड़ ने किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.